CNEWS सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-16
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार

कोशिश करना न छोड़े, गुच्छे की आखिरी चाबी भी ताला खोल सकती हैं।

सिटी चीफ

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, शनिवार, 20 अप्रैल 2024

कांग्रेस के पूर्व विधायक हरिवल्लभ शुक्ला समेत कई नेता भाजपा में शामिल

सीएम मोहन बोले - प्रदेश की सभी 29 सीटों पर खिलेगा कमल

भोपाल। लोकसभा चुनाव की गहमागहमी के बीच कांग्रेस पार्टी के नेताओं में भगदड़ मची है, वहीं भाजपा लगातार अपना कुनबा बढ़ा रही है। शनिवार को कांग्रेस को एक और बड़ा झटका लगा, जब पूर्व विधायक हरिवल्लभ शुक्ला, पार्टी के प्रदेश महासचिव कमल सिंह रघुवंशी समेत उसके कई नेता भाजपा में शामिल हो गए। मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव, भाजपा की न्यू ज्वाइनिंग टोली के प्रदेश संयोजक व पूर्व गृहमंत्री डा. नरोत्तम मिश्रा ने उन्हें भाजपा की सदस्यता दिलाई। इस मौके पर पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी और मंत्री गोविंद सिंह राजपूत भी मौजूद रहे। इस मौके पर मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने कहा कि भाजपा को विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बनाना है। जो

लोग देश और प्रदेश की सच्चे मन से सेवा करना चाहते हैं, भाजपा में उनका स्वागत है। लोकतंत्र में राजनीति बीजेपी पार्टी करती है। परिवारवाद केवल कांग्रेस में दिखता है। उन्होंने कहा कि प्रथम चरण का मतदान हुआ है, सभी जगह से अनुकूल परिणाम आएंगे। मोदी सरकार बनने जा रही है। मप्र में छिंदवाड़ा सहित सभी 29 सीटों में कमल खिलेगा। इस मौके पर उन्होंने कमल नाथ पर तंज कसा और बोले कि पहली बार बड़े महाराज अपने घर से निकल कर अपने मतदाताओं के बीच हाथ जोड़कर वोट मांगने निकले हैं। उनका छिंदवाड़ा माडल कितना खोखला है, सबने देखा है।

इन्होंने थामा भाजपा का दामन- शिवपुरी के पूर्व विधायक हरिवल्लभ शुक्ला, मप्र कांग्रेस सिंधी कल्याण समिति के पूर्व प्रदेश महामंत्री महेश गुरबाणी, प्रदेश कांग्रेस पूर्व महासचिव कमल सिंह रघुवंशी, शिवपुरी में कांग्रेस के जिला महामंत्री आलोक शुक्ला, प्रदेश अध्यक्ष सोशल मीडिया संगठन (टीम कमलनाथ) गौरव शर्मा, प्रदेश कांग्रेस के पूर्व महासचिव अमित दांतरे, नर्मदापुरम में कांग्रेस सेवादल के उपाध्यक्ष राहुल सिंह सहित 100 से अधिक कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की।

सड़क हादसे में मां की मौत, गोद में बैठी तीन माह की बेटी को नहीं आई खरोंच

सिवनी। समीपस्थ गांव गोरखपुर सिंदरई के पास गुरूवार की शाम सड़क हादसे में बाइक सवार मां की मौत हो गई, जबकि मां की गोद में बैठी तीन माह की बच्ची को खरोंच तक नहीं आई। हादसे में महिला के पति को हल्की चोंटे आई है। सूचना के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच की व घायल को उपचार के लिए अस्पताल भेजा। मृतका का पोस्टमार्टम कर शव स्वजनों को सौंप दिया गया है। वहीं टक्कर मारकर फरार बाइक सवार की तलाश में पुलिस जुटी है।जानकारी के अनुसार धर्मदास यादव अपनी पत्नी प्रीति यादव व बच्ची को बाइक में लेकर किओस्क सेंटर लाडली बहना योजना के रुपये निकालने आटामा गांव जा रहे थे। इसी दौरान गोरखपुर सिंदराई गांव के पास सामने से आ रही एक

अन्य बाइक से उनकी टक्कर हो गई। इस हादसे में उनकी पत्नी की मौत हो गई। बाइक में सवार महिला प्रीति यादव की गोद में मौजूद तीन माह की बेटी को खरोंच तक नहीं आई, बाइक चला रहे पति धर्मदास यादव को मामूली चोट आई हैं। जिस समय बाइक की टक्कर हुई उस समय प्रीति यादव की तीन माह की बेटी उनके गोद में थी जिसे संभालते हुए वह सिर के बल गिर गई। जिसे घायल अवस्था में छपारा अस्पताल लाया गया था। यहां डाक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलने के बाद छपारा पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

मनीष सिसोदिया की जमानत पर फैसला सुरक्षित, सीबीआई ने बताया घोटाले का मास्टरमाइंड

कहा- बेल दी तो हल हो जाएगा इनका मकसद

नई दिल्ली। आबकारी नीति घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जेल में बंद पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने अपनी अंतरिम जमानत याचिका कोर्ट से वापस ली। सिसोदिया ने लोकसभा चुनाव प्रचार के लिए अंतरिम जमानत मांगी थी।राउज एवेन्यू कोर्ट की विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने मनीष सिसोदिया की नियमित जमानत याचिका पर फैसला 30 अप्रैल के लिए सुरक्षित रख लिया। सुनवाई के दौरान सिसोदिया की ओर से उपस्थित वकील विवेक जैन ने अदालत को बताया कि सिसोदिया की नियमित जमानत याचिका पर कोर्ट आज अपना फैसला सुरक्षित रख लेगा, ऐसे में सिसोदिया की अंतरिम जमानत याचिका निष्प्रभावी हो जाएगी। कोर्ट ने कहा कि विवेक जैन की इस दलील के मद्देनजर कि सिसोदिया की अंतरिम जमानत निष्प्रभावी हो गई है, इसका

निपटारा किया जा सकता है, इसके बाद सिसोदिया ने अपनी अंतरिम जमानत वापस ली। सीबीआई के अधिवक्ता ने सिसोदिया की नियमित जमानत पर दलील दी। उन्होंने जमानत के लिए ट्रिपल टेस्ट का हवाला देते हुए कहा कि सिसोदिया जमानत देने की शर्तों को पूरा नहीं करते हैं। वो बराबरी के हकदार नहीं है। इस मामले में मुख्य आरोपित है। आरोपों से पता चलता है कि प्रथम दृष्टया मामला सुबूतों को नष्ट करने के साथ-साथ सत्ता के दुरुपयोग का भी बनता है, जिससे जांच में बाधा आ सकती है। जांच अभी शुरुआती चरण में है। इनके अधिकतर लोग आर्थिक अपराधों का सामना कर? रहे हैं। इससे पहले पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने एक बार कहा था कि भ्रष्टाचार समाज के लिए कैंसर है। सिसोदिया जमानत मिलने से आगे की जांच और गवाहों को प्रभावित कर सकते है। इस समय पर अगर जमानत दी तो निश्चित रूप से इनका मकसद हल हो जाएगा। पहले भी जमानत खारिज हुई है। यहां से लेकर हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट तक ने राहत नहीं दी। जमानत मिलने पर वो गवाहों को प्रभावित करेंगे क्योंकि इस कोर्ट ने भी माना है कि वो मास्टरमाइंड है। सिसोदिया की ओर से पेश अधिवक्ता विवेक जैन ने सिसोदिया के ईडी और सीबीआई दोनों मामलों में प्रत्युत्तर (रिजाइंडर) प्रस्तुतीकरण का लिखित दस्तावेज जमा किया। जैन ने कहा कि ईडी ने मोबाइल फोन को नष्ट करने को लेकर जो दलील दी है, सुप्रीम कोर्ट ने उसके साथ मनी लॉन्ड्रिंग अपराध पर भी विचार किया है। जैन ने अनुरोध किया कि याचिका पर जल्द से जल्द निर्णय लिया जाए।

शराबी आरक्षक ने कूनो नेशनल पार्क घूमने आए पर्यटकों से की बदतमीजी, चेक पोस्ट पर भी किया हंगामा

श्योपुर। शराब के नशे में मदहोश एक पुलिस जवान ने बांसरैया चेक पोस्ट पर जमकर हंगामा किया, इतना ही नहीं कूनो नेशनल पार्क में घूमने आए पर्यटकों से भी बदतमीजी कर डाली। वहीं चेक पोस्ट प्रभारी पुलिस जवान का बचाव करते हुए बोल रहे हैं कि आरक्षक दो दिन बिना बताए ड्यूटी से भी लापता हैं। इस संबंध में वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा कार्रवाई किए जाने की बात कही है।जानकारी के अनुसार बरगवां थाने के आरक्षक उपेंद्र धाकड़ की बांसरैया चुनावी चेक पोस्ट पर ड्यूटी लगी हुई है। लेकिन वह दो दिन से ड्यूटी से भी गायब है, ड्यूटी करने के बजाए कूनो में रिर्वर के पास शराब के नशे में धुत होकर पड़ा था। पुलिस आरक्षक ने

कूनो में घूमने आए पर्यटकों से बदसूकी कर दी। आरक्षक के पहले भी इस तरह की शिकायत मिलती रही है, लेकिन अधिकारियों द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

आरक्षक की बांसरैया चेकपोस्ट पर ड्यूटी लगी है, लेकिन वह दो दिन से ड्यूटी से गायब चल रहे हैं। ड्यूटी छोड़कर कूनो में कैसे पहुंच गए। इसकी जानकारी नहीं है। पर्यटकों से बदसलूकी करने की शिकायत मिली है मैने वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत करा दिया है। -**रामप्रकाश मौर्य, चेक पोस्ट प्रभारी**

जमुई में भीषण सड़क हादसा, शादी में पसरा मातम, दूल्हे के भाई सहित 3 लोगों की दर्दनाक मौत

जमुई। सिकंदरा मुख्य मार्ग पर नर्मदा गांव के पास शुक्रवार की देर रात बारात जाने के दौरान तेज रफ्तार बांस लदे ट्रैक्टर की चपेट में आने से बाइक सवार दूल्हे के भाई सहित तीन लोगों की दर्दनाक मौत हो गई।दुर्घटना इतनी भयावह थी कि बाइक ट्रैक्टर में ही कुचला कर फंस गई। दर्दनाक घटना के बाद लोग आक्रोशित हो गए और शव के साथ सड़क को जाम कर दिया।जाम के दौरान परिजन व ग्रामीणों ने जमकर आक्रोश जताया और पांच घंटे तक बवाल काटते रहे। जाम की वजह से सड़क के दोनों तरफ छोटी बड़ी वाहनों की लंबी कतार लग गई। मौके पर पहुंची पुलिस को भी पांच घंटे तक लोगों को समझाना पड़ा।। कड़ी मशक्कत के बाद शनिवार की अहले सुबह 4:30 बजे शव को उठाया गया और पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल लाया गया।साथ ही ट्रैक्टर को भी जब्त किया गया है।मृतकों की पहचान टाउन थाना क्षेत्र के आमीन गांव निवासी सुरेश चौधरी के पुत्र नीरज कुमार, सिकंदरा थाना क्षेत्र के जलय गांव निवासी उमेश चौधरी के पुत्र सुरेंद्र कुमार और रूपेश कुमार के रूप में हुई है। बताया जाता है कि मृतक नीरज कुमार के बड़े भाई सूरज कुमार की शादी थी। जिसको लेकर बारात आमीन गांव से हरला जा रही थी। इस दौरान बाइक से ही तीन लोग भी बरात जा रहे थे।तभी नर्मदा गांव के पास ट्रिपल लोडिंग बाइक तेज रफ्तार ट्रैक्टर की चपेट में आ गई। जिससे दूल्हे के भाई सहित तीन लोगों की मौत हो गई। घटना के बाद बिना शादी के बारात रास्ते से ही वापस लौट गई। दुर्घटना के बाद पूरे परिवार में कोहराम मच गई। परिजन का रो-रो कर बुरा हाल होने लगा ।पूरे परिवार में मातमी सन्नाटा पसर गया।

मई से बदलेगी महाकाल मंदिर की भस्म आरती व्यवस्था, 3 माह पहले हो सकेगी बुकिंग

उज्जैन । आगामी मई माह में विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में होने वाली भस्म आरती की दर्शन व्यवस्था में एक बड़ा बदलाव होने वाला है, जिससे भस्म आरती के नाम पर धोखाधड़ी करने वालों पर तो रोक लगेगी ही इसके साथ ही नई व्यवस्था के कारण श्रद्धालु आसानी से दर्शन के लिए बुकिंग कर सकेंगे और बुकिंग कंफर्म होने पर उनके पास इतना समय भी रहेगा कि वे उज्जैन आकर यहां के अन्य मंदिर पर दर्शन कर सकें व अन्य प्लानिंग भी आसानी से तैयार कर सकेंगे। वैसे तो कालों के काल बाबा महाकाल के दरबार में प्रतिदिन ही देश-विदेश से श्रद्धालु भगवान के दर्शन करने धार्मिक नगरी उज्जैन पहुंचते हैं, लेकिन 12 ज्योतिर्लिंगों में सिर्फ उज्जैन में स्थित श्री महाकालेश्वर ज्योर्तिलिंग ही ऐसा स्थान है जहां पर बाबा महाकाल को सुबह 4 बजे भस्म अर्पित कर आरती की जाती है। श्री महाकालेश्वर मंदिर में होने वाली भस्म आरती देखने के लिए श्रद्धालु लालयित रहते हैं। यही कारण है कि कई बार वह धोखाधड़ी का शिकार भी बन जाते हैं। श्री महाकालेश्वर प्रबंध समिति ने मई माह से दर्शन व्यवस्था में बड़ा बदलाव करने के संकेत दे दिए हैं। जिसके तहत अब कुछ ऐसा होगा कि भस्म आरती में शामिल होने के लिए श्रद्धालु तीन महीने पहले से ही बुकिंग करा पाएंगे। श्री महाकालेश्वर प्रबंध समिति के अध्यक्ष और कलेक्टर नीरज कुमार सिंह ने बताया कि मई से मंदिर में भस्म आरती दर्शन की ऐसी व्यवस्था शुरू होने वाली है जिससे कि श्रद्धालु घर बैठे ही इस दर्शन की टिकट बुक कर पाएंगे। इस दर्शन व्यवस्था से प्रतिदिन 400 श्रद्धालु अपनी टिकट बुकिंग करवा पाएंगे और निर्धारित समय पर बाबा महाकाल कि इस दिव्य और भव्य भस्म आरती को देख पाएंगे। आपने बताया कि हमने एक ऐसा सॉफ्टवेयर बनाया है जिससे कि अब एक ही आधार कार्ड और एक ही मोबाइल नंबर पर बार-बार भस्म आरती की परमिशन नहीं होगी। यदि किसी श्रद्धालु ने एक बार भस्म आरती की है तो फिर उनका नंबर तीन माह बाद आएगा। सॉफ्टवेयर को कुछ इसी प्रकार से तैयार किया गया है जिससे कि आधार कार्ड के नंबर देखते ही सॉफ्टवेयर खुद ही ऐसे आधार कार्ड और मोबाइल नंबर की परमिशन को रोक देगा।

कल की बैठक महत्वपूर्ण, होंगे कई निर्णय

श्री महाकालेश्वर मंदिर में शनिवार को होने वाली बैठक काफी महत्वपूर्ण है, क्योंकि इस बैठक में मंदिर में प्रवेश दर्शन और सुरक्षा को लेकर न सिर्फ चर्चा होगी। बल्कि होली पर्व पर महाकालेश्वर मंदिर में लगी आग की जांच रिपोर्ट पर भी बात की जाएगी। बताया जाता है कि आज रात तक जांच समिति इसकी रिपोर्ट कलेक्टर को प्रस्तुत करने वाली है। अब ऑनलाइन भस्म आरती करने वालों के लिए तीन महीने पहले लिंक खुल जाएगी, जो भी श्रद्धालु फॉर्म जमा करेगा, उसे एक रिफरेंस नंबर अलॉट होगा। एक दिन बाद श्रद्धालु के पास कन्फर्मेशन लिंक जाएगी, जिसको फील करके प्रति व्यक्ति 200 रुपए जमा कर अपनी बुकिंग करवा सकेगा।

प्रेमानंद महाराज को है किडनी की गंभीर बीमारी

हजारों में एक को होती है ये परेशानी

नई दिल्ली । वृंदावन के प्रेमानंद महाराज का नाम आज के समय में हर कोई जानता है. साथ ही उनके सभी भक्तों को यह भी पता है कि महाराज जी किडनी की गंभीर बीमारी से पीड़ित हैं. जिसके चलते हाल ही में उनकी तबीयत भी खराब हुई थी. आज हम आपको बताएंगे कि आखिर वो कौन से बीमारी है जिसकी वजह से महाराज जी की दोनों किडनी खराब हो गई.वृंदावन के रहने वाले संत प्रेमानंद महाराज का नाम आज हर कोई जानता है इसके साथ ही उनसे मिले हर दिन हजारो की संख्या में भक्त उनके आश्रम के बाहर इंतजार करते हैं. महाराज जी अपने निवास से अपने आश्रम राधाकेली कुंज तक पैदल चल कर आते है इस दौरान रास्ते में भक्तों की भीड़ लगी रहती है. साथ ही सोशल मीडिया पर भी उनके काफी भक्त हैं. वैसे तो महाराज जी के मुख पर हमेशा तेज और

मुस्कुराहट रहती है. लेकिन जो भी भक्त उनका वीडियो देखता है वो जानता है कि महाराज जी किडनी की गंभीर बीमारी से ग्रसित हैं जिनमें उनकी दोनों किडनी खराब हो चुकी है. करीब 18 सालों से वह किडनी की बीमारी से पीड़ित हैं. दरअसल प्रेमानंद महाराज किडनी की बेहद खतरनाक बीमारी ऑटोसोमल डोमिनेंट पॉलीसिस्टिक किडनी डिजीज से पीड़ित हैं. एक्सपर्ट्स की मानें तो यह बीमारी वंशागत होती है. यह बीमारी माता-पिता से बच्चों में आती है जिसमें किडनी का आकार बड़ा हो जाता है और किडनी में पानी जमा हो कर गाँठे बन जाती है जिससे धीरे धीरे किडनी काम करना बंद कर देती है. इसी वजह से महाराज जी का हफ्ते में कई बार डायलेसिस भी किया जाता है. क्योंकि किडनी खराब होने की वजह से शरीर के अंदर का जमा हुआ पानी नहीं निकल पाता और महाराज जी की एक डायलिसिस करीब 4 घंटे तक चलती है. इतनी गंभीर बीमारी के बाद भी महाराज हर दिन भक्तों के बीच पैदल चल कर आते है और उन्हें सत्संग सुनाते हैं, इतना ही नहीं उन्होंने तो अपनी किडनी का नाम भी रख लिया है एक वीडियो में बात करने के दौरान महाराज ने बताया कि उन्होंने अपनी एक किडनी का नाम राधा और दूसरी का कृष्ण रख लिया जिससे उन्हें लगता है कि भगवान का अंश उनके शरीर के अंदर ही है.

सिंगल कॉलम

इंदौर नगर निगम में फर्जीवाड़ा करने वाले ठेकेदारों की सभी फर्में काली सूची में

फर्जीवाड़े के जरिए 28 करोड़ 76 लाख रुपये के बिल लगाकर तीन करोड़ 20 लाख रुपये का भुगतान प्राप्त कर चुके ठेकेदारों की सभी फर्मों को निगमायुक्त शिवम वर्मा ने काली सूची (ब्लैक लिस्ट) में करते हुए अगले आदेश तक किसी भी तरह के भुगतान पर रोक लगा दी है। इन फर्मों द्वारा पूर्व में प्राप्त की गई राशि और उनके द्वारा किए गए कामों की भी जांच की जा रही है। यह बात भी सामने आई है कि फर्जीवाड़े की परतें तीन माह पहले ही खुलने लगी थीं। निगम के ठेकेदारों ने तत्कालीन निगमायुक्त हर्षिका सिंह से मिलकर निगम से भुगतान नहीं होने की बात कही थी। उस वक्त कुछ ठेकेदारों ने निगमायुक्त से कहा था कि हम लोग काम करते हैं। हमारा भुगतान नहीं हो रहा और कुछ लोग हैं जो काम भी नहीं कर रहे, लेकिन उन्हें मोटी राशि जारी की जा रही है। इसके बाद ही मामले में जांच शुरू हो गई थी, लेकिन इसे गोपनीय तरीके से किया जा रहा था।अधिकारी-कर्मचारियों की संलिप्तता की जांच भी होगी निगम के कर्मचारियों अधिकारियों की संलिप्तता की भी जांच की जाएगी। विशेषज्ञों का मानना है यह संभव नहीं कि अधिकारी-कर्मचारियों की जानकारी के बगैर कोई ठेकेदार इस तरह से फर्जी बिल और अन्य दस्तावेज तैयार कर प्रस्तुत कर दे और विभाग उसे बगैर किसी जांच के स्वीकारते हुए आडिट के लिए भेज दे। आडिट विभाग भी आंख मूंदकर बिल की जांच करे और उसे लेखा शाखा को भेज दे। प्रकरण में फाइलों पर एक ही पेन से हस्ताक्षर करने की बात भी सामने आई। बावजूद इसके फाइलें बगैर किसी रोकटोक के आगे बढ़ती रही। बहुत पहले से चल रहा है फर्जीवाड़ा इस बात की आशंका भी जताई जा रही है कि यह फर्जीवाड़ा कई वर्षों से चल रहा है। निगम की बिगड़ती आर्थिक स्थिति के बावजूद फर्जी बिलों पर भुगतान होता रहा, जबकि काम करने वाले ठेकेदार भुगतान के लिए भटकते रहे। कुछ दिन पहले ही एक बड़े ठेकेदार ने आत्महत्या भी की थी। बताया जा रहा है कि यह ठेकेदार भी निगम से भुगतान नहीं मिलने की वजह से परेशान था। आइटी सेल करेगी जांच निगम के अधिकारी-कर्मचारियों की मामले में संलिप्तता होने और ई-नगर पालिका में प्रविष्टियों के संबंध में आइटी सेल से जांच कराने के लिए अपर आयुक्त सिद्धार्थ जैन की अध्यक्षता में जांच समिति गठित की गई है। इसमें अपर आयुक्त लेखा देवघर दरवई, सहायक यंत्री आरएस देवड़ा, सहायक लेखा अधिकारी रमेशचंद्र शर्मा, आइटी सेल प्रभारी अभिनव राय, सहायक लेखापाल आशीष तागड़े और रूपेश काले को शामिल किया गया है।

इंदौर शहर में बैरिकेडिंग, रेलवे स्टेशन पर निगरानी तक नहीं

लोकसभा चुनाव को लेकर लगी आचार संहिता के बाद से ही पुलिस ने शहर के प्रवेश द्वारों पर बैरिकेडिंग कर वाहनों की चेकिंग शुरू कर दी गई है। इसमें तय सीमा से अधिक नकदी के साथ कुछ लोगों को पकड़ा है। इधर, रेल मार्ग से देशभर से प्रतिदिन हजारों लोग शहर में दाखिल हो रहे हैं, लेकिन स्टेशन की सुरक्षा एजेंसी द्वारा आज तक एक भी यात्री को तय सीमा से अधिक नकदी ले जाते नहीं पकड़ा है। रतलाम मंडल का इंदौर रेलवे स्टेशन ए-वन श्रेणी में है। यहां से हर दिन 35 हजार से अधिक रेलयात्री आना-जाना करते हैं। लोकसभा चुनाव की घोषणा के साथ ही आचार संहिता लगते ही जिले में पुलिस की सख्ती बढ़ गई है। शहरी सीमा के साथ ही ग्रामीण अंचल में पुलिस ने बैरिकेडिंग कर वाहनों की चेकिंग शुरू कर दी है, लेकिन इंदौर रेलवे स्टेशन पर निगरानी तो दूर, एंट्री गेट पर भी पुलिस जवान नजर नहीं आते हैं। सिंहस्थ 2016 में प्लेटफार्म नंबर-1 और 4 पर एक-एक बैग स्कैनर लगाए गए थे, लेकिन एक-दो वर्ष चलने के बाद ये खराब हो गए। इन्हीं स्कैनर की मदद से हथियार ले जाने वाले एक रेल यात्री को भी धरदबोचा था। प्लेटफार्म नंबर-1 पर लगा मेटल डिटेक्टर भी खराब है। आचार संहिता के बाद दिल्ली, मुंबई और गुजरात की ओर जाने वाली लंबी दूरी की ट्रेनों में चेकिंग की जाना चाहिए, लेकिन जीआरपी-आरपीएफ खानापूर्ति कर देती है। संदिग्ध होने पर पूछताछ तक नहीं की जाती है। जीआरपी टीआइ संजय शुक्ला ने बताया कि आचार संहिता लगते ही ट्रेनों में चेकिंग और संदिग्ध यात्रियों से पूछताछ के लिए अलग से टीम बनाई थी, लेकिन इस दौरान सीमा से अधिक नगदी का एक भी प्रकरण दर्ज नहीं हुआ। जीआरपी फोर्स की चुनाव ड्यूटी लग चुकी है। बंदोबस्त का काम हमारा नहीं आरपीएफ टीआइ राकेश कुमार ने बताया कि बंदोबस्त का काम हमारा नहीं है, लेकिन लोकसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए बैग स्कैनर ठीक करवा रहे हैं, ताकि यात्रियों द्वारा सफर में अपने साथ ले जाने वाली अनावश्यक वस्तुओं की जांच हो सके। इसके साथ विशेष दिनों में भी चेकिंग के दौरान बैग स्कैनर का उपयोग किया जाएगा। स्टेशन पर पांच से अधिक एंट्री गेट स्टेशन पर पांच से अधिक एंट्री गेट ऐसे हैं, जहां से आसानी से संदिग्ध व्यक्ति निकल सकता है। प्लेटफार्म-एक पर पीआरओ आफिस, बुकिंग हाल, जीआरपी के आगे और पटेल ब्रिज के पास रास्ते बने हुए है। इसी तरह प्लेटफार्म-चार पर मुख्य द्वार, वीआइपी गेट, एस्केलेटर के पास गेट बने हुए है, वहीं प्लेटफार्म-पांच और छह पर जाने के लिए मुख्य सीढ़ियों के साथ ही राजकुमार ब्रिज के पास से ही प्लेटफार्म पर पहुंचने का रास्ता है। इनमें से तीन से चार गेट पर ही निगरानी होती है।

इंदौर के करीब यह स्थान, यहां समय कहता है त्रेतायुग की गाथा

सिटी चीफ इंदौर।

एक तरफ मौसम में दिनोंदिन तीखी होती गर्मी और दूसरी तरफ छुट्टियों वाला माहौल तथा सैर-सपाटे की ख्वाहिश। इससे उलझन बढ़ जाती है कि छुट्टी में जाएं तो कहां जाएं। मालवा का मौसम तो फिर भी ठीक है, लेकिन मालवा से बाहर कदम रखते ही क्या दिन और क्या रात... एक समान तपन। आइए आपकी इस मुश्किल को थोड़ा आसान करते हैं और आपको ले चलते हैं एक ऐसी यात्रा पर, जिसमें सुकून, निर्मल आनंद और सैर-सपाटे का मजा तो है ही, साथ ही अध्यात्म की अनुभूति और अपने धर्म की कथा को जानने का अवसर भी है।हम बात कर रहे हैं इंदौर शहर से महज 30 किमी दूर सांवेर में स्थित श्रीराम पाताल विजय उल्टे हनुमान मंदिर की। यहां स्थापित प्रतिमा सीधी नहीं बल्कि उल्टी है, अर्थात सिर पाताल की ओर तथा पांव आकाश की ओर। राइडिंग के शौकीन लोग अपनी बाइक से और परिवार के साथ ड्राइव की इच्छा रखने वाले चार पहिया वाहन से यहां जा सकते हैं। यह एक ऐसा मंदिर है, जिसका संबंध रामायण काल से है। यह स्थान दिव्य और चैतन्य तो है ही, यहां मन को शांति का अनुभव भी होता है। कहा जाता है कि पूरी दुनिया में केवल यही एक ऐसा मंदिर है, जहां हनुमानजी की सीधी नहीं बल्क उल्टी प्रतिमा है। इसी उल्टी प्रतिमा की आराधना करने पर सारे उल्टे और

बिगड़े काम भी संवर जाते हैं।

प्रतिमा उल्टी इसलिए क्योंकि यहां से हनुमानजी ने किया था पाताल में प्रवेशइसी के चलते विवाह समारोह में हिस्सा लेने के लिए बड़े पैमाने पर लोग एक दूसरे शहर जाएंगे। मतदान की तारीख के आसपास होने वाली शादियां और यात्रा सीधे तौर पर प्रभावित कर सकती हैं। लिहाजा राजनीतिक दलों के कार्यकर्ता इस बात पर ध्यान लगा रहे हैं कि वे अपने पक्ष के मतदाताओं से संपर्क करें और इस बात के लिए राजी करें कि भले ही वे बाहर जाएं या समारोह में हिस्सा लें लेकिन 13 मई को मतदान तक अपने घर पहुंच ही जाए।

तीन दिन लगातार छुट्टियां

स्कूलों में गर्मियों की छुट्टियां मई में शुरू हो ही जाएंगी। 13 मई को सोमवार है। कामकाजी लोगों को भी शनिवार-रविवार के सप्ताहांत के साथ मतदान वाले दिन की लगातार तीन छुट्टियां मिल रही हैं। ऐसे में समारोह से लेकर घूमने-फिरने वाले भी परिवार के साथ बाहर जाने का कार्यक्रम बना रहे हैं। तीन दिन पहले हुई बैठक में कुछ लोग प्रशासन के अधिकारियों के सामने यह बिंदु भी रख चुके हैं। ऐसे में अब लोगों को मतदान वाले दिन अपने क्षेत्र में ही रहकर मतदान करने की अपील करते हुए खास कैंपने चलाने की तैयारी भी शुरू कर दी गई है। मान्यता है कि यही वह स्थान है जहां से हनुमानजी ने पाताल में प्रवेश किया था। रामायण में वर्णन आता है कि श्रीराम-रावण युद्ध के दौरान जब अहिरावण छल से श्रीराम-लक्ष्मण को बंदी बनाकर बलि देने के लिए पाताल लोक में ले गया था, तब हनुमानजी ने उन्हें बचाने के लिए इसी स्थान से पाताल में प्रवेश किया था। मंदिर के सेवादार पंडित अमित व्यास बताते हैं कि पुराण के अनुसार पृथ्वी लोक से पाताल लोक में प्रवेश करने के केवल दो ही मार्ग का वर्णन है। इनमें से एक अवंतिका के समीप और दूसरा मार्ग काशी में है।

सांवेर वही क्षेत्र है, जो अवंतिका नगरी के समीप है, इसलिए हनुमानजी ने यहीं से पाताल लोक में प्रवेश किया था। जिस तरह गोताखोर नदी में छलांग लगाता है, तो सिर नीचे की ओर तथा पांव ऊपर की होते हैं, उसी तरह हनुमानजी ने भी पाताल में प्रवेश किया था इसलिए यहां उनकी प्रतिमा का सिर नीचे और पांव ऊपर हैं। इसीलिए इनका नाम उल्टे हनुमान है। जिस समय हनुमानजी ने पाताल में प्रवेश किया था तब उनकी परछाई एक शिला पर अंकित हो गई। उसी शिला की पूजा यहां आज भी की जाती है।

इसलिए भी है खास है यह स्थान

विशाल क्षेत्र में बने इस मंदिर में हनुमानजी के विग्रह के साथ-साथ श्रीराम, सीतामाता और लक्ष्मणजी की मनोहारी मूर्तियां हैं। इसके अलावा यहां एक समाधि भी बनी हुई है। यह यहां रहने वाले संत खाकी बुआ की है। कहा जाता है कि उन्होंने जीवित अवस्था में ही समाधि ले ली थी। मंदिर के समीप ही ख्याता नदी (वर्तमान नाम कान्ह नदी) भी है। मंदिर परिसर में विशाल वृक्ष और पक्षियों का कलरव सुकून देता है, तो मंदिर के भीतर गूंजने वाली राम नाम धुन मन को भक्ति से भर देती है। बात अगर परिवार के साथ सैर सपाटे की करें, तो उसके लिए भी यह स्थान बेहतर है। यहां आप अपने साथ तो भोजन ला ही सकते हैं या फिर यहां भी भोजन बनवाकर पार्टी का आनंद ले सकते हैं। मूलभूत सुविधाएं तो मंदिर की तरफ से ही मुहैया हो जाती हैं। यहां हनुमान अष्टमी, हनुमान जयंती और श्रीराम नवमी पर विशेष उत्सव भी होते हैं। यह एक ऐसा स्थान है, जहां प्रचुर हरियाली है। इस कारण यह दोपहर में भी ठंडक प्रदान करता है। शीतल पेयजल की भी यहां व्यवस्था है और सुविधागृह भी बने हुए हैं।

इंदौर से हैं दो रास्ते

यदि आप इंदौर से इस मंदिर के दर्शन के लिए जा रहे हैं, तो इसके दो रास्ते हैं। पहला रास्ता सांवेर में मुख्य मार्ग से प्रवेश कर बाजार चौक होते हुए कान्ह नदी का पुल पार करते हुए मंदिर तक ले जाता है। दूसरा रास्ता सांवेर के मुख्य मार्ग से करीब 500 मीटर आगे का है, जो एक ढाबे के पास से सांवेर में जाता है। दोनों ही रास्ते बेहतर हैं, लेकिन यदि आप भीड़ से बचना चाहते हैं, तो दूसरा रास्ता चुनना ज्यादा ठीक होगा। यह मंदिर सुबह 7 बजे से रात 9 बजे तक खुला रहता है इसलिए आप इस बीच किसी भी वक्त यहां जा सकते हैं।

इंदौर में रात के तापमान में दिखी बढ़ोतरी, आज हल्की बारिश के आसार

सिटी चीफ इंदौर।

लगातार दूसरे दिन रात के तापमान में बढ़ोतरी देखने को मिली। शनिवार सुबह न्यूनतम तापमान सामान्य से चार डिग्री अधिक 25 डिग्री दर्ज किया गया। सुबह न्यूनतम दृश्यता 6000 मीटर तक दर्ज की गई और आर्द्रता 41 प्रतिशत रही। सुबह हल्के बादल रहें और धूप भी निकली।सुबह 8.30 बजे पारा 28.4 डिग्री तक पहुंचा। सुबह पश्चिमी उत्तर-पश्चिमी हवाएं 12 किलोमीटर प्रतिघंटे की गति से चली। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक़, उत्तर भारत में एक पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो गया हैं। अरब सागर में एक प्रति चक्रवात भी बना हुआ है। इसके असर से अरब सागर से नमी इंदौर सहित मध्य प्रदेश के कई हिस्सों तक आ रही हैं। इन मौसमी परिस्थितियों के कारण इंदौर में आज बादल छाए रहने के साथ शाम के समय हल्की बारिश होने के आसार हैं।

गौरतलब है कि शुक्रवार को गर्मी से हल्की राहत रही और अधिकतम तापमान 38.7 डिग्री दर्ज किया गया जो कि सामान्य था। गौरतलब हैं कि शुक्रवार सुबह इंदौर के एयरपोर्ट क्षेत्र में हल्की बूंदाबांदी हुई। वहीं प्रदेश में गुना, राजगढ़ और उज्जैन में कहीं-कहीं बूंदाबांदी हुई। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक, शनिवार को भोपाल, नर्मदापुरम, जबलपुर और इंदौर संभाग के जिलों में कहीं-कहीं वर्षा होने की संभावना हैं।

आज का मौसम

शहर में शुक्रवार को निकली धूप ने लोगों को तपिश का अहसास करवाया, वहीं दोपहर में छाए बादलों के कारण थोड़ी राहत मिली। गुरुवार के मुकाबले शुक्रवार को दिन के तापमान में दो डिग्री की गिरावट देखने को मिली। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक शनिवार को बादल रहेंगे और तापमान में हल्की गिरावट देखने को मिलेगी।

विधानसभा चुनाव से पहले ही पार्टी ने शुरू कर दी थी इंटरनेट मीडिया टीम की ट्रेनिंग

सिटी चीफ इंदौर।

लोकसभा चुनाव के लिए होने वाले मतदान में एक माह से भी कम समय बचा है। भाजपा की तरफ से वार रूम युद्ध शुरू हो चुका है। दरअसल, भाजपा ने विधानसभा चुनाव से पहले ही पन्ना प्रमुखों के लिए प्रशिक्षण सत्र आयोजित करना शुरू कर दिया था, जबकि कांग्रेस के पास अब तक भी कार्यकर्ताओं की सूची उपलब्ध नहीं है। भाजपा ने वार रूम प्रमुखों को चुनाव की बारीकियों के साथ इस बात का प्रशिक्षण भी दिया है कि केंद्र की योजनाओं, पूरे किए गए वादों की जानकारी आमजन तक कैसे पहुंचाना है। भाजपा कार्यालय की दूसरी मंजिल पर बने वार रूम में नौ सदस्यों की टीम तैनात भी कर दी गई है। इन लोगों के लिए नियमित लक्ष्य निर्धारित किए जाएंगे। इस बात की समीक्षा भी की जाएगी कि कहां पार्टी के कार्यकर्ता निर्धारित लक्ष्य हासिल नहीं कर पा रहे हैं और किस क्षेत्र में पार्टी को अतिरिक्त काम करने की आवश्यकता है। जिन क्षेत्रों में कार्यकर्ता निर्धारित लक्ष्य हासिल नहीं कर पाएंगे वहां वरिष्ठजन व्यक्तिगत रूप से कार्यकर्ताओं से मिलेंगे और लक्ष्य हासिल करने के लिए कार्यकर्ताओं को प्रेरित करेंगे। तैनात किए 3200 इंटरनेट मीडिया वारियर भाजपा ने लोकसभा क्षेत्र के 1600 बूथों के लिए 3200 इंटरनेट मीडिया वारियर नियुक्त कर दिए हैं। इन सभी का प्रशिक्षण भी पूरा हो चुका है। ये इंटरनेट

मीडिया वारियरों ने अपना काम भी शुरू कर दिया है। इन्हें पार्टी ने पार्टी की विचारधारा, केंद्र सरकार की योजनाओं, केंद्र द्वारा किए गए जनोपयोगी कार्यक्रमों, राम मंदिर इत्यादि के इंटरनेट मीडिया में सूचनाएं प्रसारित करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस है भाजपा का वार रूम

जावरा कंपाउंड स्थित भाजपा कार्यालय की दूसरी मंजिल पर पार्टी ने वार रूम बनाया है। अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस इस वार रूम में कंप्यूटर, लैपटाप, प्रिंटर के साथ तरह-तरह के डिजाइनर साफ्टवेयर और अन्य सुविधाएं जुटाई गई हैं। यहां तैनात टीम के सदस्य शहरभर में तैनात पार्टी के इंटरनेट मीडिया वारियरों से सतत संपर्क में रहेंगे।

ये काम करेगी टीम वार रूम में तैनात टीम को केंद्र की योजनाओं और निर्णयों की जानकारी इंटरनेट मीडिया के माध्यम से मतदाताओं तक पहुंचाना है। इसके लिए टीम अलग-अलग स्लोगन, मीम्स, डिजाइन, रील बनाकर इंटरनेट मीडिया पर जारी करती है। इस टीम को कांग्रेस द्वारा इंटरनेट मीडिया पर किए जा रहे दावे, प्रचार के काउंटर की जिम्मेदारी भी सौंपी गई है। इस बात का भी ध्यान रखा जा रहा है कि वार रूम टीम द्वारा इंटरनेट मीडिया पर जारी किसी भी कंटेंट में कोई ऐसी बात न जारी हो जाए, जिसका फायदा विरोधी को मिले। यही वजह है कि कंटेंट की निगरानी की जिम्मेदारी विधि प्रकोष्ठ को सौंपी गई है ताकि वह वार रूम द्वारा जारी कंटेंट के कानूनी पहलू की जांच भी कर ले। महिलाओं को ध्यान में रख कंटेंट तैयार कर रहे कार्यकर्ताओं को महिला मतदाताओं पर ध्यान केंद्रित करने के लिए भी कहा गया है। केंद्र की योजना का लाभ ले रही महिलाओं के वीडियो बनाकर इंटरनेट मीडिया पर जारी करने को कहा गया है। भाजपा मीडिया सह प्रभारी नितिन द्विवेदी ने बताया कि वार रूम टीम ने काम शुरू भी कर दिया है।

वर्ष के सबसे बड़े मुहूर्त के साथ मतदान की तारीख

मतदाताओं को बूथ तक लाने में करना होगी मशक्कत

सिटी चीफ इंदौर।

लोकतंत्र के महापर्व पर चौथे चरण के मतदान की तारीख वर्ष के सबसे बड़े मुहूर्त के साथ आ रही है। 10 मई को अक्षय तृतीया पर्व है। इसे सबसे बड़ा अबूझ मुहूर्त भी माना जाता है। ऐसे में वर्ष में सबसे ज्यादा विवाह अक्षय तृतीया के दिन व इसके आसपास ही होते हैं। इंदौर लोकसभा सीट के लिए भी मतदान चौथे चरण में 13 मई को होना है। 9 से 15 मई तक शादियों की भरमार रहेगी। इंदौर में ही इस अवधि में कम से कम तीन हजार विवाह होने का अनुमान लगाया जा रहा है। वैवाहिक उल्लास में डूबे लोगों को मतदान बूथों तक लाने के खासे जतन भी करने होंगे।

मई मध्य में तापमान और गर्मी का मिजाज भी तीखा होता है। अब तक दोनों दल ये मान रहे थे कि उनके सामने तपता मौसम ही चुनौती होगा।

बीते दिनों से शादियों का दौर शुरू हुआ। इसके बाद अब राजनीतिक दलों का ध्यान अक्षय तृतीया पर गया है। दरअसल, अप्रैल के बाद से स्कूलों में भी छुट्टियां पड़ जाएंगी। मई में अक्षय तृतीय और स्कूलों की छुट्टियों के कारण ज्यादा शादियां होंगी।

आखों में मिर्च झोंक कर चम्मच से पेट काटा, थाने जाकर बोला- लूट हुई

भंवरकुआं पुलिस ने डेढ़ लाख रुपये की फर्जी लूट का पर्दाफाश किया। आरोपित ने कर्ज न चुकाने की मंशा से साजिश की थी। उसने खुद की आंखों में मिर्ची झोंकी और नुकीले चम्मच से पेट पर कट लगा लिया।

एडिशनल डीसीपी जोन-4 आनंद कुमार यादव के मुताबिक, कोहिनूर कालोनी (आजाद नगर) निवासी नौशाद ने शुक्रवार को थाने पहुंच कर बताया बाइक सवारों ने डेढ़ लाख रुपये लूट लिए। नौशाद की किराना की दुकान है। उसने घटना आइटी पार्क से राजीव गांधी चौराहा की ओर जाने के वक्त होना बताई। पुलिस को घाव बताते हुए कहा कि बदमाशों ने चाकू मार कर रुपये छीने है। शक होने पर टीआइ राजकुमार यादव घटना स्थल पर ले गए तो कथनों में अंतर आया। शक होने पर सख्ती की तो नौशाद टूट गया। उसने पुलिस को बताया कि दुकान मालिक इदरिश खान (ग्रीन पार्क कालोनी) से तीन माह पूर्व डेढ़ लाख रुपये उधार लिए थे। इदरिश रुपयों की मांग कर रहा था। बायपास और सुनसान जगह चाकू मारकर लूट करने वाले गिरोह को पकड़ा

पुलिस ने ऐसे बदमाशों को पकड़ा है जो बायपास और सुनसान जगह चाकू मारकर लूटते थे। बदमाशों ने सीरियल वारदातें की है। हालांकि थानों में रिपोर्ट ही दर्ज नहीं हुई है। आरोपित नशा करते हैं। वे लूटने के बाद बड़वानी भाग गए थे। राऊ थाना क्षेत्र में बुधवार को पलाश परिसर के सामने ट्रक चालक अब्दुल सलाम निवासी कलाईगर रोड रतलाम को बाइक सवारों ने चाकू मारकर लूटा था। पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ प्राणघातक हमले का केस दर्ज किया, लेकिन लूट की धारा नहीं लगाई। घटना में आरोपितों की संख्या भी दो दर्शाई।

बोगस खातों से तस्करों को पहुंचे रुपये, बंगाल के साइबर अपराधियों से जुड़े तार

सिटी चीफ इंदौर।

करोड़ों की ब्राउन शुगर में तस्करों के तार पश्चिम बंगाल के साइबर अपराधियों से जुड़ते जा रहे हैं। पुलिस ने ऐसे 10 बोगस खातों की जानकारी जुटाई है, जिनमें पश्चिम बंगाल के अलग-अलग जिलों से तस्करों को भुगतान हुआ है। एसआइटी ने एक तस्कर को राजस्थान से हिरासत में भी लिया है। परदेशीपुरा पुलिस ने पिछले माह सात करोड़ रुपये कीमती ब्राउन शुगर के साथ आरोपित परसराम और उसके दामाद धर्मेंद्र को गिरफ्तार किया था। पूछताछ में पता चला माल (ब्राउन शुगर) मंदसौर-प्रतापगढ़ क्षेत्र में सक्रिय तस्कर गोगा भाई उर्फ मोहम्मद

इशाक को गिरफ्तार किया। गोगा ने राजस्थान के दो तस्करों के नाम बताए तो अफीम किसानों से कच्चा माल लेकर ब्राउन शुगर तैयार कर रहे थे।

तस्कर को घरों से फरार हो गए, लेकिन एसआइटी को बैंक खातों की जानकारी मिल गई। बैंक अफसरों ने बताया कि इन खातों में पश्चिम बंगाल से लाखों रुपये आए है। करीब दस खातों से दस से बार रुपये जमा करवाए गए है। इसके बाद शक की सूई साइबर अपराधियों की ओर मुड़ गई जो बोगस खातों का इस्तेमाल करते हैं। एसआइटी प्रभारी एसीपी नरेंद्र रावत ने जांच के लिए एक टीम भेजी है।

नया सिम कार्ड, नया मोबाइल और फोन बंद

ब्राउन शुगर की शुरुआती जांच परदेशीपुरा पुलिस ने की है। जोन-2 के डीसीपी अभिनय विश्वकर्मा ने एसआइटी गठित कर दी। एसआइटी के समक्ष गोगा ने बताया धर्मेंद्र और परसराम 10 से ज्यादा बार ब्राउन शुगर ले जा चुके हैं। उन्हें हावड़ा एक्सप्रेस से कोलकाता भेजा जाता था। पहुंचने पर वाट्सएप पर खरीदार के नंबर और फोटो भेज दिए जाते थे। माल (ब्राउन शुगर) की डिलीवरी होते ही फोटो और नंबर डिलीट हो जाते थे।

जांच में पता चला कोलकाता का तस्कर हर बार नई सिम खरीदता था और माल लेने के तुरंत बाद सिम तोड़ कर फेंक देता था। एसआइटी वह डिजिटल साक्ष्य एकत्र कर रही है। पश्चिम बंगाल के साइबर अपराधी डार्क नेट से जुड़े हैं। यहां हथियार, मादक पदार्थ और बैंक ग्राहकों के डेटा बिकता है। एसआइटी की जांच इसी दिशा में बढ़ रही है।

छिंदवाड़ा में भाजपा का दिखावा मतदान बढ़ाने में बना बाधक, आंतरिक प्रबंधन भी कमजोर

सिटी चीफ भोपाल

मध्य प्रदेश में पहले चरण की छह सीटों पर अपेक्षा से कम हुए मतदान ने एक बार फिर राजनीतिक दलों की चिंता बढ़ाई है। कहा जा रहा है कि छिंदवाड़ा, जबलपुर और सीधी जैसी सीटों पर अति आत्मविश्वास के कारण मतदान लक्ष्य के अनुरूप नहीं हो पाया।छिंदवाड़ा में पिछले लोकसभा चुनाव यानी वर्ष 2019 में 82.39 प्रतिशत मत पड़े थे। इस बार भाजपा का प्रयास था कि मत प्रतिशत 83 से अधिक ले जाया जाए लेकिन पार्टी का %दिखावा% यानी ऊपरी माहौल भारी पड़ गया। अधिकांश नेता कांग्रेस से आए नेताओं को मंच पर लिए-लिए फिरते रहे और बूथ प्रबंधन पर अपेक्षा अनुसार ध्यान नहीं दे पाए। देशभर में चर्चित इस सीट में जहां कांग्रेस नेता कमल नाथ ने अपने आंतरिक प्रबंधन की दम पर चप्पा-चप्पा छान मारा और भावनात्मक कार्ड के भरोसे मतदाताओं को बूथ तक पहुंचाने में काफी हद तक

सफलता प्राप्त की। इधर, बालाघाट-मंडला जैसे आदिवासी अंचल में हुई बंपर वोटिंग ने उन प्रत्याशियों के चेहरे पर लालिमा ला दी, जिन्हें हारा हुआ माना जा रहा था। शहडोल संसदीय सीट में कोई आमूलचूल बदलाव की उम्मीद नहीं थी इसलिए कम मतदान के बावजूद वहां कोई अंतर पड़ने की उम्मीद नहीं है। बात मंडला में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की सभा से शुरू की जाए तो बेहतर होगा। इस सभा का माहौल देखकर अंदाज लग रहा था कि यहां भाजपा के अनुरूप मतदान नहीं हो पाएगा। इसकी कई वजह भी थीं। पहली, भाजपा प्रत्याशी फग्गन सिंह कुलस्ते कुछ दिनों पहले ही विधानसभा चुनाव हारे थे इसलिए ऐसा माहौल बना दिया गया था कि हारा हुआ घोड़ा कितना दौड़ेगा। इसके बावजूद भाजपा अपने कार्यकर्ताओं को बूथ तक पहुंचाने में सफल रही। वहीं, कांग्रेस कई बूथ तक अपने एजेंट भी नहीं पहुंचा पाई।

नई ज्वाइनिंग से भाजपा को नुकसान

छिंदवाड़ा लोकसभा में मतदान प्रतिशत का विश्लेषण किया जाए तो पता चलता है कि भाजपा ने यहां कई गलतियां कीं। पहली, मोदी केंद्रित चुनाव न बनाकर विवेक बंटी साहू पर चुनाव लड़ा। दूसरी, जिन नेताओं को कांग्रेस से लाए, उन्हें ऐसे सिर पर बैठाया कि पुराना कार्यकर्ता नाराज हो गया।

इसी वजह से कई विधानसभा क्षेत्रों में पार्टी के कार्यकर्ताओं ने मतदान बढ़ाने के बजाय केवल औपचारिकता निभाई। भाजपा के मंत्र से आयातित नेताओं को रोड शो और भाषण दिलाने ने आग में घी का काम किया। कहीं न कहीं नई ज्वाइनिंग भाजपा के लिए %मतदान % बढ़ाने के लिए लाभप्रद नहीं रही।

घटते भूजल स्तर का संकट, जिले में 30 जून तक नलकूप खनन पर प्रतिबंध

सिटी चीफ भोपाल

जिले में निरंतर भूजल की गिरावट को देखते हुए 30 जून तक नलकूप खनन पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाया गया है। यह आदेश गुरुवार को कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने जारी किए हैं। आदेश का उल्लंघन करने पर दो हजार रुपये जुर्माना और दो वर्ष तक कारावास या दोनों से दंडित करने की कार्रवाई की जाएगी।बोरिंग मशीनों की होगी जब्ती

कलेक्टर ने बताया कि जिला भोपाल की राजस्व सीमाओं में नलकूप, बोरिंग मशीन संबंधित एसडीएम की अनुमति के बिना न तो प्रवेश करेगी (सार्वजनिक सड़कों से गुजरने वाली मशीनों को छोड़कर) और न ही बिना अनुमति के कोई नया नलकूप खनन करेगी। संबंधित राजस्व एवं पुलिस अधिकारियों को ऐसी बोरिंग मशीन जो अवैध रूप से जिले में प्रतिबंधित स्थानों पर प्रवेश करेगी और नलकूप खनन, बोरिंग का

प्रयास करेगी, उक्त मशीनों को जब्त कर संबंधित पुलिस थाना क्षेत्र में एफआइआर दर्ज कराने का अधिकार होगा। सभी एसडीएम को उनके क्षेत्र के अंतर्गत इस निमित अपरिहार्य प्रकरणों व अन्य प्रयोजनों के लिए उचित जांच के बाद अनुज्ञा देने के लिए प्राधिकृत किया जाता है। शासकीय योजनाओं के अंतर्गत किए जाने वाले नलकूप उत्खनन पर यह आदेश लागू नहीं होगा। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा कार्ययोजना के अंतर्गत नलकूप खनन का कार्य कराया जा सकेगा, वहीं निजी नलकूप एवं अन्य विद्यमान निजी जल स्रोतों को आवश्यकता होने पर सार्वजनिक पेयजल व्यवस्था के लिए अधिग्रहण किया जा सकेगा।

युवक ने मोतिया तालाब में लगाई छलांग, मौत

सिटी चीफ भोपाल

पुराने शहर के शाहजहांनाबाद थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले मोतिया तालाब में एक युवक ने छलांग लगा दी। गहरे पानी में डूबने से उसकी मौत हो गई। घटना गुरुवार दोपहर की है। पुलिस ने मर्ग कायम करने के बाद छानबीन शुरू कर दी है। पोस्टमार्टम के बाद युवक का शव स्वजन के सुपुर्द कर दिया गया है।पुलिस के मुताबिक दोपहर डेढ़ बजे एलबीएस अस्पताल के सामने स्थित मोतिया तालाब में एक युवक ने छलांग लगा दी। उसे डूबता देख लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर गोताखोरों की मदद से युवक की तलाश करवाई। कुछ देर बाद ही उसका शव बरामद हो गया। मृतक की पहचान शर्मा कालोनी निवासी 46 वर्षीय विकास पुत्र अशोक झा के रूप में हुई। वह निजी काम करता था। उसके परिवार में पत्नी के अलावा दो बच्चे भी हैं। तलाशी में उसके पास से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। इससे खुदकुशी की वजह अभी स्पष्ट नहीं हो सकी है।

बड़ा तालाब में मिला युवक का शव

उधर, तलैया थाना पुलिस ने शुक्रवार सुबह बड़ा

तालाब में राजा भोज की प्रतिमा के पास से एक युवक का शव बरामद किया। पुलिस इस बात का पता लगा रही है कि वह दुर्घटना के चलते तालाब में गिरा था, या फिर उसने खुदकुशी की है। तलैया थाना पुलिस के मुताबिक सुबह लगभग 11 बजे राजाभोज की प्रतिमा के पास तालाब से एक युवक का शव बाहर निकाला गया। मृतक की पहचान शाहजहांनाबाद के संजय नगर निवासी 20 वर्षीय ओमसिंह पुत्र लखनसिंह के रूप में हुई। घटना का पता चलने पर उसके स्वजन भी मौके पर आ गए थे। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कालेज छात्रा ने कमरे में फांसी लगाकर की खुदकुशी

सिटी चीफ भोपाल

गौतम नगर थाना इलाके में रहने वाली युवती ने गुरुवार शाम अपने घर में फांसी लगा ली। वह कालेज की छात्रा थी। स्वजन उसे फंदे से उतारकर अस्पताल ले गए, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिलने के कारण खुदकुशी की वजह अभी पता नहीं चल सकी है। पुलिस ने मर्ग कायम करने के बाद छानबीन शुरू कर दी है। पोस्टमार्टम के बाद युवती का शव स्वजन को सौंप दिया गया है।साड़ी से फंदा बनाकर लटकी गौतम नगर थाना पुलिस के मुताबिक 22 वर्षीय आरती यादव शिव मंदिर के पास नारियलखेड़ा में अपनी मां के साथ रहती थी। गुरुवार शाम करीब साढ़े चार बजे आरती ने साड़ी से फंदा लगाकर फांसी लगा ली। घटना का पता

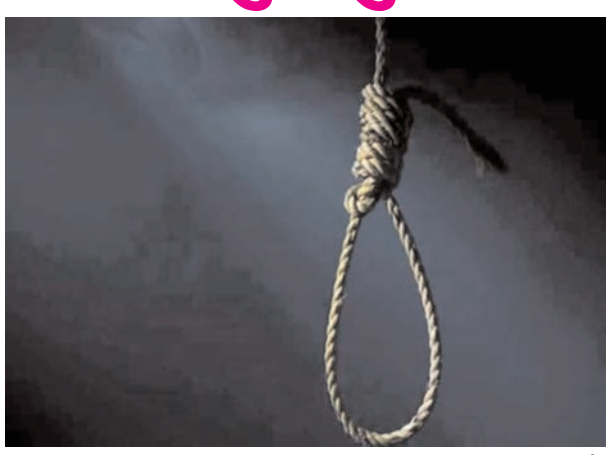

तब चला, जब ट्यूशन जाने का समय होने पर मां आरती के कमरे में पहुंची। बेटी को फंदे पर लटका देख मां की चीख निकल गई। पड़ोसियों की मदद से युवती को फंदे से उतारकर नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां डाक्टर ने चेक करने के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। युवती के पिता की चार वर्ष पहले मौत हो चुकी है। परिवार में मां के अलावा उसकी एक बड़ी बहन है। शादी होने के बाद वह अपने परिवार के साथ रहती है। स्वजन के गमगीन होने के कारण इस मामले में अभी बयान नहीं हो सके हैं।

करोड़ों खर्च के बाद भी कचरे के बन रहे पहाड़

ग्वालियर

नगर निगम की लैंडफिल साइट पर कचरा निष्पादन के नाम पर जनता से वसूले गए टैक्स के करीब पांच करोड़ रुपयों से अधिक में खरीदी गई मशीनें बंद पड़ी है। हर माह पांच से सात लाख रुपये कर्मचारियों की वेतन भत्ते पर खर्च हो रहे हैं। इसके बाद भी कचरा निष्पादन नहीं हो पा रहा है। हालात यह हैं कि केदारपुर स्थित नगर निगम की लैंडफिल साइट के दायरे से कचरा बाहर निकल चुका है। लैंडफिल साइट के अंदर कचरा डंप करने के लिए जगह नहीं रही। इस कारण से बाउंड्रीवाल के बाहर कचरा फेंका जा रहा है और निष्पादन के नाम पर आग के हवाले कर दिया जाता। इसके कारण पूरे क्षेत्र में धुआं का गुबार बना हुआ है और वातावरण में वायु प्रदूषण फैल रहा है, जिससे लोग परेशान हैं। 50 बीघा में लैंडफिल साइड, 200 मीटर बाहर तक पहुंचा कचरा लैंडफिल साइट करीब पचास बीद्या में बनी हुई है। जहां पर 15 वर्ष पुराना कचरा डंप है। नगर निगम के प्लांट बंद है और कंपनी द्वारा लगाई गई ट्रामल मशीन की मदद से ही कचरे का निष्पादन हो रहा है पर कम मात्रा में। इधर हर दिन कचरा बढ़ रहा है। जिसके कारण लैंडफिल साइट के बाहर करीब 200 मीटर आगे सड़क किनारे की कचरे डंप किया जा रहा है। जहां कचरे के पहाड़ बनने लगे हैं।

10 लाख मीट्रिक टन से ज्यादा है कचरा

राज्य सरकार द्वारा तय की गई एजेंसी से एक साल पहले सर्वे कराया गया, तब लैंडफिल साइट पर कचरे की मात्रा साढ़े सात लाख मीट्रिक टन

बताई गई थी। इसके बाद साढ़े तीन लाख मीट्रिक टन कचरा और बढ़ गया था। इस हिसाब से वर्षों पुराना कचरा करीब 10 लाख मीट्रिक टन से अधिक लैंडफिल साइट पर था। तब से हर दिन 500 टन कचरा पहुंच रहा है।

प्लांट बंद

लैंडफिल साइट पर कचरा का निपटारा करने के लिए चार प्लांट लगाए गए हैं, जो प्रतिदिन शहर से निकलने वाले कचरा का सेग्रीगेट कर उसका खाद व निष्क्रीय अपशिष्ट तैयार करे, लेकिन जो प्रतिदिन कचरा शहर से निकलता है उसे लैंडफिल साइट के बाहर डंप किया जा रहा है। परिसर के अंदर वर्षों पुराना कचरा डंप है जिसके कारण नया कचरे के लिए स्थान ही नहीं है।

कचरे में लगी आग, फायर ब्रिगेड कागजों में चलती है

लैंडफिल साइट के अंदर और बाहर कचरे के पहाड़ बन चुके हैं। कचरे जो यह पहाड़ है उनमें आग लगी हुई थी। आग के कारण आसमान में धुएं का गुबार छाया हुआ था। कचरा जलने से बदबू फैल रही है। कचरे में लगी आग पर काबू पाने के लिए नगर निगम द्वारा फायर ब्रिगेड की उपलब्धता है, लेकिन इसका उपयोग कचरा में लगी आग को बुझाने में नहीं किया जा रहा था और न ही वहां पर फायर ब्रिगेड की कोई गाड़ी उपलब्ध थी। नाम न छापने की शर्त पर निगम कर्मचारी का कहना था कि फायर ब्रिगेड केवल कागजों में चलती है।

भटक रहे मरीज..जांच के लिए लगाने पड़ रहे 200 मीटर से एक किलोमीटर के कई चक्कर

ग्वालियर

सरकार... आपकी कृपा से गजराराजा मेडिकल कालेज के जयारोग्य अस्पताल में एक हजार बिस्तर अस्पताल का नया भवन, सुपर-स्पेशियलिटी अस्पताल सहित अनेक आधुनिक सुविधाओं के काम तो हो गए, लेकिन बेसिक और छोटे-छोटे काम ही सुचारू नहीं होने से मरीज और खासकर उनके स्वजन को खासी दिक्कतें उठानी पड़ रही हैं। संभाग के सबसे बड़े जयारोग्य अस्पताल में ऐसे ही हालात हैं। यहां मरीज किसी भी विभाग में भर्ती होने जाए। उसे जांच के लिए सैंपल देने तो मेडिकल कालेज, एक हजार बिस्तर अस्पताल की लैब में ही आना पड़ता है। इसके लिए एक किलोमीटर दूर कमलाराजा अस्पताल के बाल एवं शिशु रोग विभाग में भर्ती बच्चे के स्वजन को मेडिकल कालेज और एक हजार बिस्तर अस्पताल की लैब तक दौड़ लगानी पड़ती है। अस्पताल प्रबंधन बेसिक और छोटी व्यवस्थाएं पुख्ता नहीं कर पाया।

न्यूरोसर्जरी-न्यूरोलाजी अस्पताल भवन में भी कई व्यवस्थाएं माकूल नहीं होने से मरीज और स्वजन को परेशान होना पड़ रहा है। सीटी स्कैन जांच कराने के लिए मरीजों को 300 मीटर की दूरी तय कर जांच कराने जाना पड़ता है। वहीं कमलाराजा अस्पताल, न्यूरोसर्जरी, न्यूरोलाजी में भर्ती मरीजों के स्वजन को खून-यूरीन जांच हो या फिर रोज हो रहे ट्रीटमेंट से संबंधित किसी भी काम के लिए 200 मीटर से एक किलोमीटर दूर तक भटकना पड़ता है। अस्पताल प्रशासन ने भर्ती मरीजों के सैंपल ले जाने सहित रिपोर्ट लाने व अन्य काम के लिए कोई व्यवस्था नहीं की है। ऐसे में सारे कार्यों के लिए स्वजन को ही भटकना पड़ता है।

केस..1

कमलाराजा अस्पताल स्थित बाल एवं शिशु रोग विभाग के पीआइसीयू में छतरपुर निवासी पून्ना का बेटा भर्ती है। भर्ती बेटे की जांच के लिए पून्ना को मेडिकल कालेज से लेकर एक हजार बिस्तर अस्पताल तक के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। कमलाराजा अस्पताल से मेडिकल कालेज की दूरी एक किलोमीटर और एक हजार बिस्तर अस्पताल की दूरी भी इतनी है। ऐसे में जांच सैंपल देकर आने और रिपोर्ट लाने के लिए स्वजन चक्कर काटने को मजबूर हैं। जांच की व्यवस्था माकूल नहीं होने के कारण स्वजन हर रोज परेशान होते हैं।

केस..2

खनियांधाना निवासी मनीराम को सीटी स्कैन जांच कराने के लिए 300 मीटर की दूरी तय कर माधव डिस्पेंसरी स्थित सीटी स्कैन सेंटर तक आना पड़ा। यहां भर्ती मरीजों के स्वजनों को जांच के लिए मेडिकल कालेज तक के कई चक्कर काटने पड़ते हैं। सीटी स्कैन जांच के लिए मरीजों को स्वजन स्ट्रेचर से लेकर पहुंचते हैं। जिससे मरीजों के साथ स्वजन को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता हैं। जांच की व्यवस्था को बेहतर करने के लिए अब तक अस्पताल प्रबंधन ने कोई प्रबंध नहीं किए हैं।

नोटिसों से राजफाश: शिक्षा विभाग के कायदे ही नहीं मान रहे स्कूल

ग्वालियर- जिले में संचालित निजी स्कूल शिक्षा विभाग के नियम और कायदों को ही नहीं मान रहे है। इस बात का राजफाश गुरुवार को जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा 35 निजी स्कूलों को जारी किए गए नोटिसों से हुआ। जिन बिंदुओं पर नोटिस दिया गया, उनमें से एक भी नियम का पालन स्कूल करते हुए नहीं मिले या यह कहें कि शिक्षा विभाग के नियमों को ताक पर रखकर जिले में स्कूल संचालित हो रहे हैं और शिक्षा विभाग तमाशा देख रहा है। हालांकि इस बार जिला प्रशासन सख्त रुख अपनाए हुए है, जिसको लेकर पहली बार एक साथ 35 निजी स्कूलों को नोटिस दिए गए। लेकिन इन नोटिस का क्या असर पड़ेगा यह आने वाले समय में ही पता चलेगा। गौरतलब है कि निजी स्कूलों की मनमानी और निर्धारित दुकानों से सामग्री के विक्रय संबंधी मिल रही शिकायतों को लेकर कलेक्टर ने नौ सदस्यीय जांच दल गठित किया था। इन जांच दलों द्वारा की गई जांच में तमाम खामियां स्कूलों में पाई गई, जिसको लेकर नोटिस जारी किए गए हैं।

इन स्कूलों को मिले नोटिस

लिटिल एंजेल हाइस्कूल, द रेडिएंट स्कूल, पोददार इंटरनेशनल स्कूल, रामश्री किड्स स्कूल, आदित्य वलर्ड स्कूल, एमिटी इंटरनेशनल स्कूल, आर्यन स्कूल आफ संस्कार, भारतीय विद्या निकेतन, देहली पब्लिक स्कूल, कार्मल कान्वेंट स्कूल, दून पब्लिक स्कूल, एबनेजर पब्लिक स्कूल, जीडी गोयनका पब्लिक स्कूल, आइटीएम ग्लोबल सिथौली, प्रगति विद्यापीठ, वीनस पब्लिक स्कूल, सेंट जोसेफ पब्लिक स्कूल, जेंट जान वियानी स्कूल, मार्निंग स्टार स्कूल मुरार, माउंट लिटेरा जी स्कूल रायरू, किडीज कार्नर स्कूल, मानवेंद्र ग्लोबल स्कूल, बालाजी पब्लिक स्कूल डबरा, नारायणा ई-टेक्नो स्कूल आदि।

होटल में मर्डर... सेक्स रैकेट चलाने वाली महिला गिरफ्तार छह दिन बाद हुआ मृतका का अंतिम संस्कार

सिटी चीफ भोपाल

राजधानी के शाहपुरा में हरियाणा की युवती की गला घोंटकर हत्या करने के मामले में गिरफ्तारियों का दौर जारी है। शुक्रवार को पुलिस ने देह व्यापार के लिए लड़कियां उपलब्ध कराने के आरोप में 24 वर्षीय महक यादव को घेराबंदी कर अरोरा हिल्स से गिरफ्तार कर लिया। घटना के दिन से पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। इस हत्या और देह व्यापार में यह छठवीं गिरफ्तारी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि अभी और गिरफ्तारियां हो सकती है। इधर, मृतका के स्वजन शुक्रवार को भोपाल पहुंचे। इसके बाद उसका अंतिम संस्कार किया गया।13 अप्रैल को हुई थी हत्या

बता दें कि 13 अप्रैल को रात करीब साढ़े ग्यारह बजे पुलिस को सूचना मिली थी कि के स्क्वायर होटल के एक कमरे

में एक युवती का अर्धनग्न अवस्था में शव मिला है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर युवती के पास से मिले दस्तावेज से उसकी पहचान हरियाणा के वजीराबाद निवासी के रूप में की थी। उसी दिन देर रात को पुलिस ने इस मामले में कोलार थाने के निगरानीशुदा बदमाश रितुल पांडे को गिरफ्तार किया था। उसके साथ होटल के मैनेजर समेत कर्मचारियों में योगेश कुमार, सागर चौहान व इन्द्र बहादुर सिंह और बाद में महिला महक यादव के साथी कुनाल उर्फ कुलदीप को गिरफ्तार किया गया था। फिलहाल महक से पूछताछ की जा रही है। अभी पुलिस को उसके एक साथी की तलाश है। वह पहले अरेरा कालोनी के ई 5 में रहती थी। वर्तमान में शिवा रायल पार्क फेस-1 सलैया में रह रही है।

स्वजनों ने आकर किया अंतिम संस्कार

मृतका के परिजन शुक्रवार को भोपाल आए। उन्होंने उसका अंतिम संस्कार किया। इस दौरान उन्होंने बताया कि वह आठ साल से उनके संपर्क में नहीं थी। वह इस बीच कहां रह रही थी, इसकी जानकारी उन्हें नहीं है।

साम्पदकीय

रेगिस्तानी इलाकों में असामान्य मूसलधार बारिश के मायने

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और ओमान में आए तूफान से रिकॉर्ड बारिश हुई। इससे यहां हालात बद से बदतर हो गए हैं। पूरे शहर में पानी भरा है। यातायात ठप हो गया और लोग अपने घरों में फंस गए। इतना ही नहीं, दुबई से दिल्ली आने-जाने वाली कई उड़ानें रद्द करनी पड़ीं।

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और ओमान में आए तूफान से रिकॉर्ड बारिश हुई। इससे यहां हालात बद से बदतर हो गए हैं। पूरे शहर में पानी भरा है। यातायात ठप हो गया और लोग अपने घरों में फंस गए। इतना ही नहीं, दुबई से दिल्ली आने-जाने वाली कई उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। यूएईऔर खाड़ी के कुछ अन्य देशों में अचानक आई भारी व असामान्य बारिश ने इंसान को तमाम सबक दिए हैं। जिन देशों को अपनी समृद्धि व संपन्नता का दंभ था, वहां आई मूसलाधार बारिश ने सारी आधुनिक व्यवस्थाएं ध्वस्त कर दी। दुनिया का सबसे ज्यादा आधुनिक व चहल-पहल वाला दुबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट अराजकता का शिकार हो गया। सैकड़ों उड़ानें रद्द हो गईं। दुनिया के चोटी के हवाई अड्डों में शामिल जिस दुबई एयरपोर्ट में पिछले साल आठ करोड़ यात्रियों की आमद थी, एक मूसलाधार बारिश से उसकी सारी व्यवस्थाएं चौपट हो चुकी हैं। इस दौरान ओमान में 19 लोगों की मौत के अलावा अन्य देशों में भी लोगों के हताहत होने की आशंका है। बताते हैं कि अभी भी कई निचले इलाकों में बारिश का पानी भरा हुआ है। संयुक्त अरब अमीरात में पिछले 75 साल बाद रिकॉर्ड बारिश दर्ज की गई है। बाढ़ग्रस्त इलाकों में डूबे वाहन और बारह लेन वाले हाईवे पर लगा जाम बता रहा है कि कुदरत की माया के आगे मानव का विकास अभी भी बौना ही है। फिर मध्यपूर्व के रेगिस्तानी इलाकों में मूसलधार बारिश का होना निश्चित ही अचरज की बात है। अचानक आई इस बारिश और बाढ़ को जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग का प्रभाव कहा जा रहा है। लेकिन वहीं लोग आरोप लगा रहे हैं कि यह घटना विशुद्ध रूप से प्रकृति से मानवीय छेड़छाड़ का नतीजा है। आलोचक इस असामान्य बारिश को क्लाउड सीडिंग का नतीजा बता रहे हैं। दरअसल, कृत्रिम तरीके से बारिश कराने की कोशिश को ही क्लाउड सीडिंग कहा जाता है, जिसमें बादल में बारिश के बीज बोने के लिये कृत्रिम तरीके से प्रयास किये जाते हैं। ऐसे कुछ प्रयास यूएई में किये जा रहे थे। एक अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट में बताया गया है कि रविवार व सोमवार को यूएई में क्लाउड सीडिंग की योजना बनायी गई थी और मंगलवार को भयावह बाढ़ के हालात पैदा हुए हैं। आशंका जतायी जा रही है कि क्या कृत्रिम बारिश के प्रयासों के चलते यह स्थिति पैदा हुई है?

बहरहाल, आने वाले वक्त के अध्ययन हमें बताएंगे कि इस आपदा के आने में क्लाउड सीडिंग की कितनी भूमिका थी। वैसे दुनिया के तमाम देशों में संकट के समय क्लाउड सीडिंग कराने के मामले सामने आते रहते हैं। किन्हीं देशों में सामरिक तो कहीं कृषि उद्देश्यों के लिये कृत्रिम बारिश का सहारा लिया जाता है। लेकिन जलवायु परिवर्तन के चलते बदले हालात में यह संकट गहरा हो जाता है। उल्लेखनीय है कि कृत्रिम बारिश का सहारा तब लिया जाता है, जब हवा की नमी की कमी के चलते बारिश नहीं हो पाती। भारत में साठ के दशक में कृत्रिम बारिश का प्रयोग किया गया था। दरअसल, बारिश के बीजों के रूप में सिल्वर आयोडाइड, पोटेशियम क्लोराइड व सोडियम क्लोराइड जैसे पदार्थों का उपयोग किया जाता है, जिनका हवाई जहाज की मदद से बादलों में छिड़काव किया जाता है। इससे बर्फ के कण बादलों की नमी के साथ मिलकर बारिश होने की प्रक्रिया को अंजाम देते हैं। दरअसल, आधुनिक विकास के मोह में संयुक्त राज्य अमीरात अपने व्यापारिक उद्देश्यों व नागरिकों के लिये पानी की कमी को पूरा करने के लिये इस तकनीक का उपयोग करता रहा है। ऐसे ही भारत में नब्बे के दशक में तमिलनाडु में भयंकर सूखे से निपटने के लिये क्लाउड सीडिंग तकनीक का उपयोग कई बार किया गया था। वहीं चीन ने भी बीजिंग में आयोजित ग्रीष्मकालीन ओलंपिक खेलों के दौरान पर्यावरण प्रदूषण दूर करने के लिये क्लाउड सीडिंग तकनीक का इस्तेमाल किया था। बहरहाल, यूएई, ओमान व सऊदी अरब जैसे इलाकों में ऐसी भारी बारिश नीति-नियंताओं को विकास योजनाओं को लेकर नये सिरे से विचार करने को मजबूर कर रही है। इन देशों को अपनी सड़कों व अन्य विकास कार्यों को अब बारिश के ऐसे संकट को नजर में रखकर तैयार करना होगा। साथ ही मनुष्य को इस तथ्य को गंभीरता से स्वीकारना होगा कि प्रकृति के साथ अन्याय करने पर हमें उसका प्रतिकार सहने के लिये तैयार रहना होगा।

सियासतः पुनर्जागरण की राजनीति..

लोकतंत्र में सबसे बड़े विश्वास मत का लाभ विजेता उठाता है

राष्ट्र को विवादित भावनाओं में बांट देना चुनावों के दौरान आम है। लेकिन राष्ट्रीय आत्मा का संघर्ष वह होता है, जब राजनेता सत्ता की व्यर्थ लड़ाई के जरिये देशभक्ति की बहाली के लिए प्रयास करते हैं।21वीं सदी में इस विचार के सबसे परिचित खिलाड़ी असंतोष व स्वदेशीवाद का शोर मचाने वाले हलकों से आते हैं, और वे गौरवशाली अतीत की ओर वापसी को महानता की पूर्व शर्त बनाते हैं। यही वह पक्ष है, जो आमतौर पर धोखे के शिकार राष्ट्र और उसके निर्वाचित सहयोगियों के खिलाफ जीतता है। ब्रेग्जिट से प्रभावित ब्रिटेन और 'ट्रंपवाद' से प्रभावित अमेरिका इसके सटीक उदाहरण हैं कि कैसे एक काल्पनिक राष्ट्र वर्तमान दुर्दशा के खिलाफ विद्रोह का योग्य गंतव्य बन जाता है। ब्रेग्जिट और ट्रंपवाद, दोनों आज खंडित विरासत हैं। ब्रेग्जिट के उत्तराधिकारी राष्ट्रीय संप्रभुता के लिए वोट का प्रबंधन करने में विफल रहे हैं; उन्होंने जो हासिल किया है, वह आर्थिक ठहराव और राजनीतिक अस्थिरता है। दुखद है कि राष्ट्रीय आत्मा के लिए संघर्ष राजनीतिक नश्वरता के विरुद्ध संघर्ष बन गया है। और ट्रंप की लोकप्रियता में वृद्धि के बावजूद ट्रंपवाद मजबूत नहीं हुआ। एक बार सत्ता में आने के बाद, विदेश नीति और अर्थव्यवस्था में उनकी सफलता उनकी व्यक्तिगत शैली के नीचे दब गई। हार के बाद वह अमेरिकी राष्ट्रपति के इतिहास में साजिश के सर्वोच्च दूत बन गए। जैसा कि दूसरी बार सत्ता में उनका आना अपरिहार्य लग रहा है, ट्रंप अब भी बिगड़ैल सांड की भूमिका निभा रहे हैं। ट्रंप के रहते ट्रंपवाद के विचार के विकास की कोई संभावना नहीं दिखती। ये उदाहरण लोकप्रिय भावना और राजनीतिक यथार्थवाद के बीच के अंतर को सामने लाते हैं। राष्ट्रीय आत्मा के लिए संघर्ष मुक्ति की त्रुटिपूर्ण राजनीति के रूप में समाप्त होता है। मूल आदर्श की मृत्यु के बाद राष्ट्र के झूठे पुनर्स्थापकों का उदय होता है। लेकिन अगर भारतीय राजनीति पर नजर डालें, तो यह पैटर्न टूट जाता है। यहां राष्ट्रीय आत्मा का संघर्ष अपने दूसरे दशक में प्रवेश करता है। वर्ष 2014 में नरेंद्र मोदी ने आम चुनाव को राष्ट्रवाद की बहाली के जनमत संग्रह में बदल दिया। उन्होंने कभी भी खुद को दूसरे प्रधानमंत्री उम्मीदवारों के रूप में नहीं देखा, जिनकी सीमा अगले पांच वर्षों से आगे नहीं बढ़ती। मोदी ने भारत को आधुनिक रूप देने वाले और राष्ट्र का पुनर्निर्माण करने वाले नेता के रूप में चुनाव जीता और अपना लक्ष्य काल्पनिक अतीत में नहीं खोजा, बल्कि भविष्य से संवाद किया। यह सांस्कृतिक तर्क है, जिसमें दक्षिणपंथ आम तौर पर हार जाता है, पर मोदी के लिए यह तर्क भी नहीं है। यह होने की स्थिति है। राष्ट्रीय आधुनिकीकरण की अपनी परियोजना को सबसे स्थायी क्षेत्र यानी भारत के गरीबों तक ले जाने के लिए उन्हें कभी भी हिंदू विशेषण की जरूरत महसूस नहीं हुई। भारत के सांस्कृतिक पुरखों को बार-बार याद करने की जरूरत नहीं थी, और यह केवल उन लोगों के लिए विवाद का विषय था, जो अब भी मूल राष्ट्र निर्माताओं के उपदेशों में डूबे हुए थे। मोदी ने राष्ट्र को सीमित करने वाले स्थापत्यों को नष्ट करना अभी खत्म नहीं किया है, और इसलिए 2024 में उनकी लड़ाई राष्ट्र की पुनर्स्थापना के लिए है। विकल्प में एक गठबंधन है, जिसे अपनी भारतीयता को रेखांकित करने के लिए एक संक्षिप्त नाम की जरूरत है। जब वे लुप्तप्राय भारत का रोना रोते हैं, तो अनिवार्य रूप से उनका मतलब ऐसे भारत से होता है, जो भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद, उप-राष्ट्रवाद और वंशानुगत शक्ति में संलिप्त था-एक ऐसा भारत, जहां धर्मनिरपेक्ष आदर्श का मुख्य आकर्षण अल्पसंख्यक बस्तियां और राष्ट्रीय निषेध है। महागठबंधन का प्रत्येक सदस्य एक ऐसे भारत का प्रतिनिधित्व करता है, जो योग्यता और आधुनिकता पर बने समाज के आवेगों और दृष्टिकोण से बहुत दूर है। लुप्तप्राय भारत के उनके रुदन को बौद्धिक समर्थन मिलता है, और ऐसे समय में, जब असहमति किसी कारण की तलाश में हो, यह आश्चर्य की बात नहीं है। जो शायद यह बताता है कि असहमत लोगों के एक वर्ग के लिए अघोषित आपातकाल का आह्वान स्वाभाविक क्यों है। यह असहिष्णुता या वैचारिक हिंसा की किसी भी अभिव्यक्ति का विरोध करने के लिए फासीवाद शब्द का इस्तेमाल करने जितना ही अनैतिहासिक है। काले अतीत का इस तरह आकस्मिक सहारा अमानवीयता की यादों को कमतर कर देता है। अघोषित आपातकाल की साझा चिंता भारत की सांविधानिकता का सबसे निर्लज्ज उल्लंघन है। भारत उन लोगों के लिए एक चुनावी निरंकुश शासन है, जो ताकत और दृढ़ संकल्प दिखाने वाली मोदी की दृढ़ विश्वास की राजनीति को गलत समझते हैं। वे अपना हाई कमान स्वयं हैं और अपने इस विश्वास के लिए लड़ते हैं कि सत्ता ही परिवर्तन लाती है। यह अपने आप में एक ऐसे देश में बड़ा सांस्कृतिक बदलाव है, जो सत्ता के लिए संघर्ष को नैतिक महत्व देता है, जिसे सत्ता के खिलाफ संघर्ष से कमतर बना दिया गया है। जो लोग मोदी के भारत पर संविधानेतर होने का आरोप लगाते हैं, वे इसे निरंकुशता मानने की गलती करते हैं। अनुच्छेद 370 को निरस्त करने को ही लीजिए, जिसे अब भी कुछ लोग बहुसंख्यकवादी अपराध मानते हैं। हम इसे राष्ट्रीय एकता के उच्च उद्देश्य के लिए क्रूर सांविधानिकता के रूप में क्यों नहीं देख सकते? यदि भारत में जल्द ही समान नागरिक संहिता बनने जा रही है, तो यह केवल सांविधानिक समानता के आदर्शों पर खरा उतरने के लिए होगा। संस्थानों को कमजोर किए जाने की बात भी गलत है। भारत में न्यायाधीशों का चयन भी तो न्यायाधीशों द्वारा किया जाता है। पूछा जा रहा है कि एक विपक्षी मुख्यमंत्री को जांच और कारावास क्यों दिया गया? क्या हम इसके बजाय %आप% की अराजनीतिक राजनीति की मजबूर करने वाली कहानी नहीं बता सकते। गांधीवादी प्रतिरोध की कोख से जन्मा आंदोलन कैसे भ्रष्ट लोगों का संघ बन गया है? ऐसा लगता है कि लुप्तप्राय भारत में हितधारकों का एक अलग समूह है, और मोदी निश्चित रूप से उनमें नहीं हैं। शायद यह अब राष्ट्रीय आत्मा की लड़ाई भी नहीं रही। क्या वह लड़ाई पहले ही नहीं जीती जा चुकी है? और विजेता अब भी लोकतंत्र में सबसे बड़े विश्वास मत का लाभ उठाता है, क्योंकि सत्ता ने भविष्य के लिए अभियान को और तेज कर दिया है। शुक्र है कि अतीत की याद दिलाता इंडिया केवल संक्षिप्त शब्द है।

भ्रामक विज्ञापन विज्ञान और बाजार-जागरूकता और जवाबदेही बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास जरूरी, तभी मिलेगी सही सूचना

वर्तमान समय में विज्ञापन बाजार की दुनिया का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। एक रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2022 में वैश्विक विज्ञापन बाजार का आकार 615.2 अरब अमेरिकी डॉलर था, जिसके आगामी कुछ वर्षों में 800 अरब डॉलर होने का अनुमान है। आंकड़ों के अनुसार, औसत व्यक्ति प्रतिदिन 200 से 300 विज्ञापन तक देखता है। विज्ञापन लोगों को सूचना देने और उत्पादों आदि के बारे में जागरूक करने का एक प्रभावी माध्यम है। लेकिन वर्तमान समय में जिस प्रकार से भ्रामक विज्ञापनों की बाढ़-सी आई है, यह समाज के लिए समाधान कम, समस्या ज्यादा बनते जा रहे हैं। विज्ञापनदाता का इरादा मनोवैज्ञानिक रूप से आपको प्रभावित करते हुए आपके विचारों और निर्णयों को प्रभावित करना होता है। सिर्फ पांच दिनों में काले से गोरा करने, या मात्र एक खुशबू वाले डियोड्रेंट के स्प्रे मात्र से महिलाओं को आपके प्रति आकर्षित करने का दावा करने वाले विज्ञापन आपने खूब देखे होंगे। अभी कुछ दिन पहले साइंस जर्नल %मेडिसिन% ने भारत में बेचे जाने वाले और उपभोग किए जाने वाले सबसे लोकप्रिय प्रोटीन पाउडर के 36 विभिन्न ब्रांडों पर किए गए विश्लेषण के निष्कर्ष प्रकाशित किए थे। विश्लेषण से पता चला कि 36 पूरकों में से लगभग 70 प्रतिशत में प्रोटीन की गलत जानकारी थी, कुछ ब्रांड अपने दावे का केवल आधा हिस्सा ही पेश कर रहे थे। इसके अलावा, लगभग 14 प्रतिशत नमूनों में हानिकारक फंगस थे, जबकि 8 प्रतिशत में कीटनाशकों के अवशेष दिखाई दिए। ये नतीजे भ्रामक जानकारी, पारदर्शिता की कमी और ऐसे उत्पादों से उत्पन्न संभावित स्वास्थ्य जोखिमों के बारे में बढ़ती चिंता को दर्शाते हैं। पर्यावरणीय स्थिरता और सचेत उपभोग के बारे में चिंतित दुनिया में ग्रीनवाशिंग एक बढ़ती हुई चिंता बन गई है। ग्रीनवॉशिंग, जिसे उत्पादों या सेवाओं के बारे में भ्रामक पर्यावरणीय दावे के रूप में परिभाषित किया गया है, ने नियामकों, उपभोक्ताओं और वकालत समूहों का समान रूप से ध्यान आकर्षित किया है। हाल ही में, यूरोपीय संसद और भारतीय न्यायपालिका, दोनों ने इस मुद्दे को संबोधित करने के लिए निर्णायक कदम उठाए, जो सख्त नियमों और विपणन प्रथाओं में अधिक जवाबदेही की ओर वैश्विक बदलाव का संकेत है। इसी तरह, भारतीय न्यायपालिका द्वारा उत्पादों की प्रभावकारिता के बारे में भ्रामक और निराधार दावे करने के लिए पतंजलि समूह की निंदा करना कंपनियों को उनकी मार्केटिंग के प्रति जवाबदेह बनाने के महत्व को रेखांकित करता है। न्यायपालिका का निर्णय उपभोक्ताओं को गलत जानकारी के आधार पर विकल्प चुनने से बचाता है और यह सुनिश्चित करता है कि कंपनियां अपने विपणन संचार में नैतिक मानकों का पालन करें। ग्रीनवाशिंग या भ्रामक विज्ञापन न केवल उपभोक्ताओं को गुमराह करते हैं, बल्कि टिकाऊ प्रथाओं को बढ़ावा देने और पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने के प्रयासों को भी कमजोर करते हैं। भ्रामक विज्ञापनों पर नकेल कस कर नियामक कंपनियों को अधिक जिम्मेदार और पारदर्शी विपणन रणनीति अपनाने के लिए प्रोत्साहित कर सकते हैं। भ्रामक विज्ञापनों को संबोधित करने के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता है, जिसमें नियामकों, उद्योग हितधारकों, उपभोक्ता वकालत समूहों और जनता के बीच सहयोग शामिल होता है। नियामक यह सुनिश्चित करते हुए कि कंपनियां विज्ञापन में सच्चाई का पालन करती हैं, पर्यावरणीय दावों के लिए स्पष्ट दिशानिर्देश और मानक स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। व्यवसायों और व्यापार संघों सहित उद्योग हितधारकों की नैतिक विपणन प्रथाओं को बनाए रखने और उपभोक्ताओं को सटीक जानकारी देने की जिम्मेदारी है। उपभोक्ता वकालत समूह भ्रामक प्रचार के बारे में जागरूकता बढ़ाने और भ्रामक विपणन रणनीति के लिए कंपनियों को जिम्मेदार ठहराने में भूमिका निभा सकते हैं। इसके अलावा, उपभोक्ता स्वयं टिकाऊ उपभोग प्रथाओं के बारे में खुद को शिक्षित करके और पर्यावरणीय प्रबंधन के प्रति वास्तविक प्रतिबद्धता प्रदर्शित करने वाले ब्रांडों का समर्थन करके ग्रीनवॉशिंग के खिलाफ लड़ाई में योगदान दे सकते हैं। नियमों को मजबूत बनाने, जागरूकता बढ़ाने और जवाबदेही को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयासों की आवश्यकता है, केवल तभी हम यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि उपभोक्ताओं के पास सटीक जानकारी पहुंच रही है, ताकि वे अपनी प्राथमिकताओं और मूल्यों के अनुरूप विकल्प चुन सकें।

क्या जड़मूल से समाप्त हो सकेगी नक्सली समस्या ?

छत्तीसगढ़ में पिछले 14 साल के भीतर 1582 नक्सली मुठभेड़ हुई हैं। इन मुठभेड़ के दौरान 1452 नक्सली मारे गए हैं। इस बीच 1002 आम नागरिकों की भी मौत हुई है। वहीं इन हमलों में 1222 जवान शहीद हो चुके हैं।

छत्तीसगढ़ के कांकेर में सुरक्षाबलों ने 29 नक्सलियों को ढेर कर दिया। इस ऑपरेशन के लिए सुरक्षाबलों को कड़ी मेहनत करनी पड़ी है। जवान नक्सलियों के अड्डे तक पहुंचने के लिए 20 घंटे तक पैदल चले हैं। नक्सलियों के समूह को देखने के बाद पुलिस ने फायरिंग शुरू की थी। जब बंदूकें शांत हुईं, तो जंगल के फर्श पर सूखे पत्तों के बीच 29 माओवादी मृत पड़े थे। इनमें ललिता, शंकर और दूसरे कमांडर विनोद गावड़े के शवों की पहचान सबसे पहले की गई। मृतकों में पंद्रह महिलाएं भी थीं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नक्सलियों के खिलाफ मिली सफलता को केंद्र और राज्य में भाजपा सरकार की उपलब्धि बताया। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बहुत कम समय में देश से नक्सलवाद को उखाड़ फेंका जाएगा। छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार बनने के बाद से इस अभियान को गति मिली है। नक्सली इलाकों में सुरक्षा बल कैंप लगाए जा रहे हैं। 19 के बाद इनकी संख्या 250 हो गई है। नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में छत्तीसगढ़ पुलिस से भी मदद मिल रही है। राज्य में भाजपा सरकार बनने के बाद तीन महीने में 80 से ज्यादा नक्सली मारे गए हैं। 125 गिरफ्तार हुए हैं और 150 ने आत्मसमर्पण किया है। देश के 10 राज्यों में 70 जिलों में नक्सलवाद का प्रभाव है। इसमें सबसे ज्यादा प्रभावित राज्य झारखंड जहां 16 जिले हैं। वहीं छत्तीसगढ़ में नक्सल प्रभावित 14 जिले शामिल हैं।

छत्तीसगढ़ में पिछले 14 सालों के भीतर 1582 नक्सली मुठभेड़ हुई है। इन मुठभेड़ के दौरान 1452 नक्सली मारे गए हैं। इस बीच 1002 आम नागरिकों की भी मौत हुई है। वहीं इन हमलों में 1222 जवान शहीद हो चुके हैं। छत्तीसगढ़ में नई सरकार के गठन के बाद नक्सलियों को आशंका थी कि सरकार उनके खिलाफ अभियान तेज करेगी और हुआ भी ऐसा ही। राज्य की नई सरकार ने शांति का प्रस्ताव भी सामने रखा था लेकिन नक्सल नेताओं की तरफ से इस प्रस्ताव पर कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं आई। वहीं दूसरी तरफ पुलिस और सुरक्षाबलों को बस्तर में फ्री हैण्ड कर दिया गया है। ऐसे में पिछले तीन महीनों में नक्सलियों को कई बड़े नुकसान उठाने पड़े हैं। अब तक जहां माओवादियों के बटालियन स्तर के नेता ही ढेर हुए थे तो इस बार शंकर राव जैसे डिवीजन लेवल का नेता पुलिस के गोली का शिकार हुआ हैं। ऐसे में नक्सली प्रदेश में पूरी तरफ से बैकफुट में हैं। अब लगातार सवाल किये जा रहे हैं कि आखिर कब तक छत्तीसगढ़ को इस नक्सल दंश से छुटकारा मिल पायेगा और बस्तर में खून की होली थमेगी। सरकार, सुरक्षा बलों एवं स्थानीय लोगों की संयुक्त कोशिशों का परिणाम है कि पिछले एक दशक में वामपंथी अतिवाद संबंधी घटनाओं, मौतों और उनके भौगोलिक प्रसार में काफी कमी आई है। जहां वर्ष 2010 में वामपंथी अतिवाद से प्रभावित जिलों की संख्या 96 थी वहीं वर्ष 2018 में प्रभावित जिलों की संख्या 60 रह गई है। वर्ष 2009 में जहां नक्सलवाद की घटनाओं और इन घटनाओं में मरने वालों की संख्या क्रमश 2258 व 1005 थी, वहीं वर्ष 2018 में यह संख्या घटकर क्रमश 833 एवं 240 रह गई। देश के जिन 8 राज्यों के लगभग 60 जिलों में यह समस्या बनी हुई है उनमें ओडिशा के 5, झारखंड के 14, बिहार के 5, आंध्र प्रदेश और छत्तीसगढ़ के 10, मध्य प्रदेश के 8, महाराष्ट्र के 2 तथा बंगाल के 8 जिले शामिल हैं। वर्ष 2015 के बाद से नक्सलियों के 90 प्रतिशत हमले लगभग चार राज्यों- छत्तीसगढ़, झारखंड, बिहार और ओडिशा में हुए हैं।

माओवादियों के थिंक-टैंक और प्रथम पंक्ति के नेता या तो मारे जा चुके हैं या इस विचारधारा को छोड़ चुके हैं। भारत में नक्सली हिंसा की शुरुआत वर्ष 1967 में पश्चिम बंगाल में दार्जिलिंग जिले के नक्सलबाड़ी नामक गांव से हुई और इसीलिये इस उग्रपंथी आंदोलन को नक्सलवाद के नाम से जाना जाता है। जमींदारों द्वारा छोटे किसानों के उत्पीड़न पर अंकुश लगाने के लिए सत्ता के खिलाफ चारू मजूमदार, कानू सान्याल और कन्हाई चटर्जी द्वारा शुरू किये गए इस सशस्त्र आंदोलन को नक्सलवाद का नाम दिया गया। यह आंदोलन चीन के कम्युनिस्ट नेता माओत्से तुंग की नीतियों का अनुगामी था। आंदोलनकारियों का मानना था कि भारतीय मजदूरों और किसानों की दुर्दशा के लिए सरकारी नीतियां जिम्मेदार हैं। ये लोकतंत्र एवं लोकतांत्रिक संस्थाओं के खिलाफ हैं और जमीनी स्तर पर लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को खत्म करने के लिये हिंसा का सहारा लेते हैं। ये समूह देश के अल्प विकसित क्षेत्रों में विकासात्मक कार्यों में बाधा उत्पन्न करते हैं और लोगों को सरकार के प्रति भड़काने की कोशिश करते हैं। केंद्र और राज्य सरकारें माओवादी हिंसा को मुख्यत कानून-व्यवस्था की समस्या मानती रही हैं, लेकिन इसके मूल में गंभीर सामाजिक-आर्थिक कारण भी रहे हैं। नक्सलियों का कहना है कि वे उन आदिवासियों और गरीबों के लिये लड़ रहे हैं, जिनकी सरकार ने दशकों से अनदेखी की है। वे जमीन के अधिकार एवं संसाधनों के वितरण के संघर्ष में स्थानीय सरोकारों का प्रतिनिधित्व करते हैं। माओवाद प्रभावित अधिकतर इलाके आदिवासी बहुल हैं और यहां जीवनयापन की बुनियादी सुविधाएं तक उपलब्ध नहीं हैं, लेकिन इन इलाकों की प्राकृतिक संपदा के दोहन में सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र की कंपनियों ने कोई कमी नहीं छोड़ी है। यहां न सड़कें हैं, न पीने के लिये पानी की व्यवस्था, न शिक्षा एवं स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएं और न ही रोजगार के अवसर। नक्सलवाद के उभार के आर्थिक कारण भी रहे हैं।

नक्सली सरकार के विकास कार्यों के कार्यान्वयन में बाधा उत्पन्न करते हैं। वे आदिवासी क्षेत्रों का विकास नहीं होने देते और उन्हें सरकार के खिलाफ भड़काते हैं। वे लोगों से वसूली करते हैं एवं समांतर अदालतें लगाते हैं। प्रशासन तक पहुंच न हो पाने के कारण स्थानीय लोग नक्सलियों के अत्याचार का शिकार होते हैं। अशिक्षा और विकास कार्यों की उपेक्षा ने स्थानीय लोगों एवं नक्सलियों के बीच गठबंधन को मजबूत बनाया है। नक्सलवादियों की सफलता की वजह उन्हें स्थानीय स्तर पर मिलने वाला समर्थन रहा है, जिसमें अब धीरे-धीरे कमी आ रही है। सरकार नक्सली चरमपंथ से निबटने के लिये बहुआयामी रणनीति अपना रही है। इसमें सुरक्षा एवं विकास से संबंधित उपाय तथा आदिवासी एवं अन्य कमजोर वर्ग के लोगों को उनका अधिकार दिलाने से संबंधित उपाय शामिल हैं। सरकार वामपंथी अतिवाद से प्रभावित क्षेत्रों में बुनियादी ढाँचे, कौशल विकास, शिक्षा, ऊर्जा और डिजिटल संपर्कता का यथासंभव विस्तार करने के भी प्रयास कर रही है।

सरकार की इस नीति के परिणामस्वरूप नक्सलियों के हौसले कमजोर हुए हैं तथा उनके आत्मसमर्पण की संख्या लगातार बढ़ रही है। विमुद्रीकरण ने भी नक्सलियों को पहुँचने वाली वित्तीय सहायता पर लगाम लगाई है और इसके बाद से अब तक 700 से अधिक माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया है। सरकार वामपंथी अतिवाद से प्रभावित क्षेत्रों में सड़कें बनाने की योजना पर तेजी से काम कर रही है और वर्ष 2022 तक 48877 किमी. सड़कें बनाने का लक्ष्य रखा गया है। वामपंथी अतिवाद से प्रभावित क्षेत्रों में संचार सेवाओं को मजबूत बनाने के लिये सरकार बड़ी संख्या में मोबाइल टावर लगाने का काम कर रही है। इसके तहत कुल 4072 टावर लगाने का लक्ष्य रखा गया है। निश्चित तौर पर पुलिस की दवाब बनाने की सक्रिय कार्रवाई और विकास बहुआयामी योजनाओं से नक्सली समस्या जड़मूल से समाप्त हो सकेगी।

'द केरल स्टोरी' पर विवाद की जरूरत ही नहीं हमने सिर्फ वही दिखाया जो केरल में होता आ रहा

'आंखें', 'वक्त', 'सिंह इज किंग', 'फोर्स' और 'कमांडो' जैसी फिल्में बनाने वाले निर्माता–निर्देशक विपुल अमृतलाल शाह की पिछले साल रिलीज हुई फिल्म 'द केरल स्टोरी' इन दिनों खूब चर्चा में हैं। उनकी इस साल रिलीज फिल्म 'बस्तर द नक्सल स्टोरी' को लेकर भी विमर्श चल ही रहा है और इस बीच विपुल अपनी अगली फिल्म पर काम शुरू कर चुके हैं। 'अमर उजाला' के सलाहकार संपादक पंकज शुक्ल ने इन्हीं मुद्दों पर विपुल शाह से उनके कार्यालय में ये एक्सक्लूसिव मुलाकात की।

'द केरल स्टोरी' के दूरदर्शन पर प्रसारण को लेकर चल रहे विवाद पर आपकी क्या प्रतिक्रिया है? सिनेमाघरों में ब्लॉकबस्टर हिट हो चुकी फिल्म 'द केरल स्टोरी' पहले से ही ओटीटी पर उपलब्ध है। लेकिन, ये सिर्फ वयस्कों के लिए है। इस फिल्म के ओटीटी पर आने के बाद देश–दुनिया के कई संगठनों और लोगों ने मुझसे संपर्क किया कि क्या इसका कोई ऐसा संस्करण भी है जिसे हम अपने किशोरवय बच्चों को दिखा सकें। हमने इसका सैटेलाइट संस्करण भी बनाया ही था। दूरदर्शन ने हमसे संपर्क किया कि क्या इसे हम दिखा सकते हैं, तो हमने यही कहा कि हमें इसमें क्या ही आपत्ति हो सकती है।

मेरा प्रश्न इसे केरल में कुछ ईसाई संगठनों द्वारा समूह में दिखाए जाने से है... ये बहुत ही रोचक पहलू है इस फिल्म का। फिल्म 'द केरल स्टोरी' लव जिहाद की बात करती है कि कैसे एक हिंदू युवती को कुछ मुस्लिम युवक बहला फुसलाकर विदेश ले जाते हैं और एक अंतरराष्ट्रीय आतंकी संगठन के हवाले कर देते हैं। हालांकि ये चार लड़कियों की कहानी है और इसमें एक युवती ईसाई भी है लेकिन मुख्य कहानी एक हिंदू युवती की सच्ची घटना पर ही आधारित है। केरल का ईसाई समूह भी इन घटनाओं से भयभीत है, ये उनकी इस पहल से साबित होता है।

और, अब इस पर प्रतिबंध लगाने की बात हो रही है? इतिहास में फिल्मों पर प्रतिबंध लगाने की परंपरा पहले से ही रही है। 'किस्सा कुर्सी का' और 'आंधी' पर प्रतिबंध इसका उदाहरण हैं। ऐसे में अब फिल्म 'द केरल स्टोरी' पर प्रतिबंध की मांग उठना कोई नई बात नहीं है। सत्ता में कोई भी रहा हो, ऐसा हमेशा से ही होता आया है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता हमें हमारा संविधान देता है।

आप मानते हैं कि फिल्म 'द केरल स्टोरी' समाज के एक खास वर्ग पर निशाना साधती है? मैं ये पहले भी कह चुका हूं और फिर दोहरा रहा हूं, फिल्म 'द केरल स्टोरी' सच्ची घटनाओं पर आधारित फिल्म है। हमने किसी वर्ग को निशाना बनाने या उनके विरुद्ध कोई जनभावना बनाने के लिए ये फिल्म नहीं बनाई। जो कुछ केरल राज्य में बरसों से होता आ रहा है, हमने उस पर शोध किया और ये फिल्म बनाई। हमें किसी खास वर्ग को निशाना ही बनाना होता तो हम 'द केरल स्टोरी पार्ट 2' बनाते, 'बस्तर द नक्सल स्टोरी' नहीं बनाते। फिल्म 'बस्तर द नक्सल स्टोरी' में नक्सलियों का जो नायक दिखाया गया है, वैसा ही एक नक्सली नेता पुलिस ने बीते दिन मुठभेड़ में मार गिराया है। अपनी इस फिल्म से आप कितना संतुष्ट हैं? फिल्म 'बस्तर द नक्सल स्टोरी' की रिलीज से पहले और रिलीज के बाद मुझे कई लोगों ने कहा और काफी दबाव रहा मुझ पर कि मैं इस फिल्म के खलनायक और उसकी दो महिला सहयोगियों को मुस्लिम नाम दे दूं। लेकिन, मैंने ऐसा नहीं किया। ये फिल्म भी कुछ सच्ची घटनाओं पर आधारित है। ऐसे में फिल्म के खलनायक का नाम मैं सिर्फ कुछ लोगों को संतुष्ट करने के लिए या पैसे कमाने के लिए मुस्लिम कर दूं, ये मुझसे नहीं हो सकता था। मैंने इन सुझावों और दबावों को नहीं माना और जो सच्ची बातें हैं, वही इस फिल्म में दिखाई।

आपको लगता है कि फिल्म 'बस्तर द नक्सल स्टोरी' का खलनायक अगर मुस्लिम होता तो फिल्म के बॉक्स ऑफिस नतीजे कुछ और होते? हो सकता है। लेकिन, फिर ये मेरी अपने पेशे को लेकर ईमानदारी नहीं होती। ये सच है कि सिनेमा ने हाल के दिनों में एक खास नैरेटिव बनाया है और मुस्लिम खलनायक की बड़े परदे पर धुलाई होने पर लोग तालियां भी बजाते रहे हैं। लेकिन, एक फिल्मकार की जिम्मेदारी है कि वह अगर सच्ची घटना पर फिल्म बनाने की बात कर रहा है तो फिर उसमें सिर्फ बॉक्स ऑफिस पर सफलता हासिल करने के लिए ही छेड़छाड़ न करे। फिल्म 'बस्तर द नक्सल स्टोरी' को जितने भी लोगों ने देखा, सबने तारीफ की। ये बात और है कि दर्शक इन दिनों एक खास तरह की फिल्म देखना चाहते हैं, इस पर हमारा जोर नहीं है।

फिल्म 'बस्तर द नक्सल स्टोरी' की रिलीज से पहले आपने कुछ फिल्मों का एलान किया था, उसमें से कौन सी फिल्म आप सबसे पहले शुरू करने जा रहे हैं? अपनी अगली फिल्म का निर्देशन मैं खुद कर रहा हूं। बैंक डकैती जैसी ये कहानी एक सस्पेंस थ्रिलर है। इसकी शूटिंग मैं जुलाई में शुरू करने की योजना बना रहा हूं। फिल्म के मुख्य कलाकारों का चयन करीब करीब पूरा हो चुका है। अरसे से लोग मुझसे मेरी फिल्म 'आंखें' का सीक्वल बनाने की मांग करते रहे हैं, ये फिल्म 'आंखें' का सीक्वल तो नहीं है लेकिन ये है उसी श्रेणी की फिल्म।

फायरिंग केस के बाद दुबई में बेली डांस का मजा लेते दिखे भाईजान, फैंस बोले- शेर वापस आ गया

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान के आवास के बाहर 14 अप्रैल को गोलीबारी की घटना सामने आई। इसके बाद से ही अभिनेता की सुरक्षा के चाक–चौबंद किए गए हैं। बीते दिन महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, सलमान खान से मिलने पहुंचे थे। इसके बाद सलमान खान को कड़ी सुरक्षा के बीच शुक्रवार सुबह मुंबई से बाहर निकलते देखा गया था। हालांकि, अब भाईजान का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वह बेली डांस के वीडियो का लुत्फ उठाते नजर आ रहे हैं।हाल ही में, सलमान को मुंबई हवाई अड्डे पर देखा गया और उनके साथ उनके बॉडीगार्ड शेरा भी थे। साथ ही उन्हें ड्ड+ सुरक्षा भी दी गई थी, जो उन्हें महाराष्ट्र सरकार द्वारा प्रदान की गई है। अभिनेता को अपनी कार से बाहर निकलते और सुरक्षाकर्मियों से घिरे होने के कारण बिना पोज दिए हवाई अड्डे के अंदर जाते देखा गया था। अब दुबई से अभिनेता का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वह ग्रीन जैकेट पहने डांस का लुत्फ उठाते नजर आ रहे हैं।सलमान के गोलीबारी मामले के बाद यह पहली बार है जब अभिनेता अपने फैंस से एक पोस्ट के मुखातिब हुए हैं। सलमान ने खुलासा किया कि वह दुबई कराटे कॉम्बैट इवेंट में गए थे। भाईजान ने एक वीडियो साझा करते हुए कहा कि मैं दुबई में हूं और कल मैं कराटे कॉम्बैट इवेंट में होऊंगा। इवेंट के बारे में यादा कुछ नहीं बोलूंगा मैं, लेकिन मैं इस बचे को दो साल की उम्र से जानता हूं।आगे उस शख्स ने बताया कि भाईजान ने उन्हें एक्शन करने में काफी मदद की थी। सलमान ने यह भी बताया कि आसिम ने उन तक पहुंचने के लिए डायरेक्ट बात न कर सही सोर्स का इस्तेमाल किया। जो प्रोसेस होता है, उसे ही फॉलो किया था।आगे सलमान का एक और वीडियो सामने आया है, जिसमें वह बेली डांस का मजा लेते नजर आ रहे हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो अभिनेता निर्देशक ए आर मुरुगदास के डायरेक्शन में बनने वाली सिकंदर में नजर आएंगे।

साइलेंस 2 की संजना कैसे चुनती हैं किरदार, करियर की शुरुआत में मना किए कई मुश्किल रोल

बॉलीवुड अभिनेत्री प्राची देसाई और मनोज बाजपेयी इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म %साइलेंस 2द नाइट आउल बार शूटआउट% को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। दर्शकों का इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार है। वहीं, दोनों सितारे इन दिनों फिल्म के प्रचार में जुटे हुए हैं। इस फिल्म का प्रीमियर 16 अप्रैल को ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर होगा। फिल्म की रिलीज से पहले प्राची और मनोज ने अमर उजाला के खास कार्यक्रम शुक्ल पक्ष में बातचीत की। इस दौरान प्राची ने अपने किरदार के चुनाव को लेकर बात की। अपने किरदार कैसे चुनती हैं प्राची प्राची देसाई ने साइलेंस 2द नाइट आउल बार शूटआउट में इंस्पेक्टर संजना का किरदार निभाया है। फिल्म में मनोज और प्राची का कोई लव एंगल नहीं दिखाया गया है। उन्होंने फिल्म में मजबूत महिला का किरदार निभाया है। प्राची ने इसपर बात करते हुए बताया कि बचपन से मैंने अपनी मां और दादी को देखा है, वो एक टीचर थीं, शायद उसी का एक रिफ्लेक्शन है, जो मैं ये किरदार चुन पा रही हूं। मुझे लगता है कि किरदार अगर थोड़ा अलग हो, तो मुझे अट्रैक्ट करता है, यही संजना के रोल के साथ हुआ। ऑडियन्स बनाए रखने के लिए पंचलाइन कितनी जरूरी फिल्म के पहले पार्ट में प्राची के कई जबर्दस्त सीन हैं। इस दौरान उनकी कुछ पंचलाइन भी हैं। सस्पेंस थ्रिलर फिल्म के बीच में लाइट मोमेंट लाने होते हैं। इन डायलॉग को बोलने में काफी प्रॉब्लम होती है। इसपर अभिनेत्री ने कहा कि एक्सपीरियंस कहता है, हमने बड़े होते हुए जो फिल्में देखीं, उनकी कुछ–कुछ लाइनें हमेशा याद रहती हैं

सात हजार लोगों के ऑडिशन से तलाशे गए 15 कलाकार, ये सबके हौसले की फिल्म है

तेवर और बधाई हो जैसी फिल्मों का निर्देशन कर चुके निर्देशक अमित रविंद्रनाथ शर्मा की फिल्म मैदान गुमनाम नायक सैयद अब्दुल रहीम की सची कहानी पर आधारित है। सैयद अब्दुल रहीम के नेतृत्व में भारतीय फुटबॉल टीम ने अपना स्वर्णिम युग देखा और इस फिल्म में 1951 और 1962 के एशियाई खेलों के दौरान भारतीय टीम के जुझारूपन को दर्शाया गया है। फिल्म 'मैदान' के निर्देशक अमित रविंद्रनाथ शर्मा से एक खास बातचीत।

फुटबॉल कोच सैयद अब्दुल रहीम के जीवन पर फिल्म बनाने का विचार कैसे आया? *यह विचार बोनी कपूर का था। उन्होंने ही मुझे सैयद अब्दुल रहीम के बारे में बताया। मुझे लगा कि जब मुझ जैसे जागरूक फिल्मकार को ही उनके बारे में नहीं पता है तो बहुत सारे दूसरे लोगों को भी उनके बारे में नहीं पता होगा। मैंने कई लोगों से उनके बारे में बात भी की लेकिन यादातर लोगों को कुछ नहीं पता था। तब मैंने फैसला किया कि इस गुमनाम नायक की कहानी मैं परदे पर लेकर जरूर आऊंगा। और, ये भी आपको शुरू से पता था कि ये फिल्म आपके जीवन के कई साल लेने वाली है? हां, जब फिल्म का विषय मुझे पता चला, तभी मुझे लग गया था कि ये फिल्म बनाना आसान नहीं होगा क्योंकि इसके लिए मुझे बहुत शोध करना पड़ेगा और लोगों से मिलना पड़ेगा। उस समय के जो खिलाड़ी रहे हैं, उनमें से काफी लोगों से हमने मुलाकात की भी। पी के बनर्जी, अरुण घोष, चुन्नी गोस्वामी, बलराम के अलावा अब्दुल रहीम के बेटे हकीम से भी खूब बातें हुईं। आज भी सारे खिलाड़ी रहीम साहब को बहुत इजत के साथ याद करते हैं। इन खिलाड़ियों के लिए तो रहीम साहब उनके फुटबॉल के भगवान है। अजय देवगन को इस किरदार के बारे में किसने बताया और कितना आसान या मुश्किल रहा, उनको राजी करना मेरे इस फिल्म से जुड़ने से पहले ही अजय देगन ने बोनी कपूर से फिल्म की कहानी सुन ली थी। वह पहले ही हां कर चुके थे। बस शर्त उनकी यही थी कि फिल्म की पटकथा पूरी हो जाने के बाद ही वह इस पर अंतिम फैसला करेंगे। अजय को लेकर मेरे दिमाग मे उनकी 'सिंघम' वाली छवि थी लेकिन उन्होंने जिस तरह से खुद को सैयद अब्दुल रहीम के किरदार में परिवर्तित किया है, वह उनके अलावा और कोई नहीं कर सकता। फिल्म के बाकी किरदारों को चुनना कितना मुश्किल रहा?इस फिल्म के लिए हमें 15 ऐसे लोग चाहिए थे, जो अछे खिलाड़ी भी हों और अछे अभिनेता भी। साथ ही उनका असल खिलाड़ियों जैसा दिखना भी जरूरी थी। सभी खिलाड़ियों की तस्वीरें हमारे पास मौजूद थीं और हम एक एक करके अपने कलाकार चुनते गए। आपको जानकर अचरज होगा कि इन सारे कलाकारों को ढूंढने में ही हमें सवा साल लग गया। सात हजार लोगों के ऑडिशन हमने उस दौरान देखे थे। फिर इनकी डेढ़ साल ट्रेनिंग चली।* ***किसी सची कहानी पर आधारित फिल्म बनाते समय निर्देशक को इसे कहने के तरीके में छूट लेने की कितनी इजाजत होती है?*** *सबसे बड़ी बात इन तरह की फिल्मों में यही होती है कि फिल्म वास्तविक लगनी चाहिए। 1952 का दौर न तो हमने देखा है और न ही दर्शकों ने। मैंने कोशिश की है कि दर्शकों को उस दौर में लेकर जाऊं। हमने बहुत गहराई के साथ फिल्म में काम किया है। फिल्म बनाने के लिए थोड़ी छूट तो लेनी ही पड़ती है। 'मैदान' एक फिल्म नहीं बल्कि फुटबॉल की एक भावनात्मक यात्रा है। 2019 में शुरू हुई ये फिल्म अब जाकर 2024 में रिलीज हुई है, इस दौरान आपने अपना हौसला कैसे बनाए रखा? ये फिल्म ही हौसले की फिल्म है। एक कलाकार के लिए धैर्य, लगातार मेहनत और अनुशासन सबससे यादा जरूरी है। ये फिल्म कोविड के दौर से गुजरी। फिर फिल्म में बहुत यादा वीएफएक्स है। फिल्म की शूटिंग हमने 2019 में शुरू की। मार्च 2020 तक हमारी फिल्म की 65 प्रतिशत शूटिंग खत्म हो गई थी। बस मैच और कुछ सीन बचे थे। मैच की शूटिंग शुरू होने वाली थी और लॉक डाउन लग गया। इसमें अंतरराष्ट्रीय मैच हैं, सारे खिलाड़ी बाहर से आने थे उनको आने की अनुमति नहीं मिल रही थी। शूटिंग पूरी हुई तो वीएफएक्स में बहुत समय लग गया। लेकिन, मुझे लगता है कि फिल्म के रिलीज के लिए यह सही समय है।*

पहले से भी यादा जंगली एनिमल बन लौटेंगे रणबीर कपूर, संदीप ने सीक्वल की शूटिंग पर दिया अपडेट

संदीप रेड्डी वांगा के जरिए निर्देशित और रणबीर कपूर अभिनीत एनिमल साल 2023 की ब्लॉकबस्टर फिल्म साबित हुई। इस फिल्म की दमदार सफलता के साथ ही निर्माताओं ने इसके दूसरे भाग की घोषणा कर दी थी, जिसे लेकर फैंस बेहद उत्साहित हैं। समय–समय पर फिल्म को लेकर नई और दिलचस्प जानकारियां सामने आ रही हैं, जिसका फैंस को भी बेसब्री से इंतजार रहता है। वहीं, अब फिल्म की शूटिंग और कहानी को लेकर नई जानकारी सामने आई है, जो खुद फिल्म के निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा ने दी है।

एनिमल के दूसरे भाग एनिमल पार्क के लिए दर्शकों को अभी लंबा इंतजार करना होगा। फिल्म की शूटिंग थोड़ी देर से शुरू होने वाली है। दरअसल, एनिमल के निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा ने हाल ही में मुंबई में एक अवार्ड शो में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने फिल्म के सीक्वल के बारे में एक रोमांचक अपडेट साझा किया। साथ ही उन्होंने खुलासा किया कि फिल्म की शूटिंग साल 2026 में ही शुरू होगी।

फिल्म के बारे में बात करते हुए संदीप रेड्डी वांगा ने कहा कि एनिमल पार्क फिल्म एनिमल से भी बड़ा और जंगली होने जा रहा है। फिल्म की शूटिंग 2026 तक शुरू होगी। अब ऐसे में उम्मीद जताई जा रही है कि फिल्म की कहानी पहले भाग से भी यादा खतरनाक और यादा एक्शन सीक्वेंस के साथ होगी। इस पर तेजी से काम होगा, जिस पर तैयारियां कुछ समय बाद शुरू होने की उम्मीद है।

इससे पहले खबर आई थी कि एनिमल पार्क के निर्माता अपनी ब्लॉकबस्टर फिल्म के सीक्वल के लिए विक्की कौशल को शामिल कर सकते हैं। कथित तौर पर विक्की कौशल को एनिमल पार्क में एक नकारात्मक भूमिका के लिए विचार किया जा रहा है। हालांकि, अभी तक इस बारे में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन रणबीर के साथ विक्की की ऑनस्क्रीन भिड़ंत देखना दिलचस्प होगा। फिल्म के पहले भाग में बॉबी देओल ने ही नकारात्मक किरदार निभाया था।

संदीप रेड्डी वांगा और भूषण कुमार ने ब्लॉकबस्टर फिल्म एनिमल का बहुप्रतीक्षित सीक्वल लाने के लिए हाथ मिलाया है। टी सीरीज के आधिकारिक पेज पर खबर साझा की गई थी, यह विश्वास पर बनी साझेदारी है, रचनात्मक स्वतंत्रता से प्रेरित है, और एक अटूट बंधन से मजबूत है। साथ ही खबर आई थी कि संदीप ने एनिमल पार्क की स्क्रिप्ट पर काम करना शुरू कर दिया है। उन्हें कहानी का मूल आर्क मिल गया है और एनिमल के कई प्रमुख किरदार एनिमल पार्क का भी हिस्सा होंगे, जहां रणबीर कपूर, रश्मिका मंदाना और तृप्ति डिमरी अपनी–अपनी भूमिका निभाने के लिए वापस आएंगे, वहीं एनिमल पार्क में उपेंद्र लिमये का भी एक मजबूत ट्रैक है। सीक्वल से कई नए कलाकारों के भी नाम जुड़ेंगे। संदीप प्रभास की स्पिरिट के बाद एनिमल पार्क की शूटिंग करेंगे।

बजरंगी भाईजान 2 पर आया बड़ा अपडेट, फिल्म की स्क्रिप्ट पूरी तैयार लेकिन यहां फंस रहा पेंच

सलमान खान की ब्लॉकबस्टर फिल्म बजरंगी भाईजान ने दर्शकों का खूब मनोरंजन किया था, जिसके बाद से लगातार इसके सीक्वल पर चर्चा होती रहती है। एक बार फिर इस फिल्म का बहुप्रतीक्षित सीक्वल सुर्खियों में है। फिल्म को लेकर नई जानकारी सामने आई है, जिसे सुन सलमान खान के प्रशंसक काफी उत्साहित हो जाएंगे। फिल्म को लेकर नई जानकारी यह है कि निर्माताओं ने इसकी स्क्रिप्ट तैयार कर ली है, लेकिन फिल्म बनने में अभी भी रुकावट है।

सलमान की सहमति का इंतजार खबर सामने आई है कि फिल्म की स्क्रिप्ट तैयार है, लेकिन सलमान खान की मंजूरी का इंतजार है। दरअसल, हाल ही में आयुष शर्मा की आने वाली फिल्म रुसलान के प्रचार कार्यक्रम में निर्माता केके राधामोहन ने एक रोमांचक खुलासा किया। उन्होंने बताया कि बजरंगी भाईजान 2 की स्क्रिप्ट तैयार है। बजरंगी भाईजान की कहानी के लेखक और एसएस राजामौली के पिता वी. विजयेंद्र प्रसाद की ओर मुड़ते हुए राधामोहन ने कहा कि स्क्रिप्ट जल्द ही सलमान खान को सुनाई जाएगी। एक बार सलमान स्क्रिप्ट सुन लें और अपनी सहमति दे दें तो फिल्म की शूटिंग शुरू हो जाएगी। हालांकि, उन्होंने कहा कि वे बजरंगी भाईजान 2 का निर्माण नहीं कर रहे हैं। इस खबर से फैंस के बीच उत्साह की लहर दौड़ गई है।

2021 में हुई सीक्वल की घोषणा सलमान खान ने 2021 में अपनी और करीना कपूर खान अभिनीत बजरंगी भाईजान के सीक्वल की घोषणा की। इसके बाद उन्होंने यह भी खुलासा किया कि केवी विजयेंद्र प्रसाद फिल्म की स्क्रिप्ट पर काम कर रहे हैं। कथित तौर पर फिल्म का नाम पवन पुत्र भाईजान रखा गया है। चर्चा है कि पूजा हेगड़े को फिल्म के लिए मुख्य महिला के रूप में चुना गया है। हालांकि, खबर यह भी है कि फिल्म में करीना कपूर की जगह पूजा को लिया गया है। वहीं, अब देखना होगा कि पूजा फिल्म में करीना की जगह लेंगी या किसी और अहम किरदार में नजर आएंगी।

बजरंगी भाईजान की दमदार सफलता वहीं बात करें बजरंगी भाईजान की तो फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर दमदार सफलता हासिल की थी। फिल्म की कहानी एक मूक पाकिस्तानी बची के इर्द–गिर्द घूमती है, जो गलती से सीमा पार कर भारत में आ जाती है। सलमान खान का किरदार मासूम लड़की को उसके परिवार से मिलाने की जिम्मेदारी लेता है। कबीर खान द्वारा निर्देशित इस फिल्म में करीना कपूर खान और नवाजुद्दीन सिद्दीकी भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं।

फिल्मों में कब वापसी करेंगे इमरान खान? अभिनेता ने खुद दिया जवाब, करियर के बारे में कह दी बड़ी बात

बॉलीवुड अभिनेता इमरान खान काफी लंबे समय से फिल्मों से दूर है। उनके चाहने वाले उन्हें बड़े पर्दे पर देखने के लिए तरस गए हैं। इमरान की वापसी को लेकर प्रशंसक सोशल मीडिया पर भी चर्चा करते रहते हैं। हाल ही में, खुद इमरान खान ने इस सवाल का जवाब दे दिया है कि वे फिल्मों में कब वापसी करेंगे।

करियर से जुड़े सवालों के दिए जवाब इमरान खान ने हाल ही में दिए एक साक्षात्कार में अपने करियर से जुड़े कई सवालों का जवाब दिया। इनमें किसी नई फिल्म की स्क्रिप्ट मिलने और फिल्मों में वापसी करने का सवाल सबसे बड़ा था। इमरान ने अपना जवाब देते हुए कहा कि वे अभी भी फिल्मों में लौटने पर विचार कर रहे हैं। कुछेक चीजें मिली है, जो उन्हें पसंद आई है, लेकिन कोई ऐसा काम फिलहाल नहीं मिला है, जो बनने के लिए तैयार हो।

मेरी पहचान केवल बॉलीवुड अभिनेता होने से नहीं इमरान खान ने फिल्मों से दूर होने का फैसला करने के सवाल का बड़ा ही दिलचस्प जवाब दिया। उन्होंने कहा कि मेरा मानना है कि जिंदगी करियर से कहीं ज्यादा है।

दिग्गजों की उपस्थिति में 22 को अपना नामांकन

जमा करेंगे भाजपा प्रत्याशी सोलंकी

नामांकन के पूर्व होगा सभा का आयोजन, सभी भाजपाई होंगे शामिल

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ शाजापुर, आगामी 13 मई को चतुर्थ चरण में देवास-शाजापुर संसदीय क्षेत्र में मतदान होगा। इसके लिए नामांकन जमा करने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। भाजपा की ओर से सांसद रह चुके महेंद्रसिंह सोलंकी एक बार फिर मैदान में है जो 22 अप्रैल को शुभ मुहूर्त में अपना नामांकन रिटर्निंग अधिकारी को जमा करेंगे। जिनके साथ मुख्यमंत्री मोहन यादव सहित पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष, वरिष्ठ पदाधिकारी, लोकसभा संयोजक, प्रभारी भी शामिल होंगे।

भाजपा जिला मीडिया प्रभारी विजय जोशी ने बताया कि भाजपा प्रत्याशी महेंद्रसिंह सोलंकी 22 अप्रैल को अपना नामांकन रिटर्निंग ऑफिसर को जमा करेंगे। इसके पहले बस स्टैंड पर सभा का आयोजन होगा। जिसमें भाजपा के सभी पदाधिकारी, सभी कार्यकर्ता शामिल होंगे। सभा के पश्चात् भाजपा प्रत्याशी महेंद्रसिंह सोलंकी अपना नामांकन जमा करने जाएंगें। इस दौरान उनके साथ प्रदेश के मुखिया डॉ. मोहन यादव भी शामिल होंगे। संभवतया भाजपा प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा भी शामिल होंगे। इसके अलावा नामांकन जमा करने के दौरान केबिनेट मंत्री इंदरसिंह परमार, केबिनेट मंत्री विश्वास सारंग, लोकसभा प्रभारी जगदीश अग्रवाल, लोकसभा संयोजक बहादुरसिंह मुकाति, आठों विधानसभा के विधायक, जिलाध्यक्ष अशोक नायक भी शामिल होंगे।

पायोनियर स्कूल द्वारा किया गया जल मंदिर का शुभारंभ

भगवान महावीर जन्म कल्याणक के उपलक्ष्य में जल सेवा प्रारंभ

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ शाजापुर, प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी नगर के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान पायोनियर पब्लिक स्कूल द्वारा बेरछा रोड़ पर जल मंदिर स्वरूप सार्वजनिक पेयजल सेवा प्रारंभ की गई। इस दौरान बतौर अतिथि जिला वन मंडलाधिकारी (डीएफओ) मयंक चांदीवाल, पत्रकार संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष सुनील नाहर, सकल जैन समाज अध्यक्ष सपन जैन तथा विद्यालय संचालक मंगल नाहर द्वारा फीता काटकर एवं जल पात्रों की पूजा-अर्चना करते हुए जल मंदिर का शुभारंभ किया गया।

विद्यालय प्राचार्य विमल जैन ने बताया कि 21 अप्रेल को जैन धर्म के चौबीसवें तीर्थंकर भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव के उपलक्ष्य में ग्रीष्म ऋतु के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए जल सेवा स्वरूप विद्यालय परिसर के बाहर शाजापुर-बैरछा मुख्य मार्ग पर जल मंदिर (प्याऊ) प्रारंभ किया गया है। जिससे मार्ग से आवागमन करने वाले राहगीरों को शीतल पेयजल की सुविधा उपलब्ध हो सके। श्री जैन ने बताया कि विद्यालय परिवार द्वारा जलसेवा का यह प्रकल्प साल 2010 से प्रारंभ किया गया था। तब से लेकर विगत 14 वर्षों से यह सेवा कार्य अनवरत संचालित हो रहा है। शुक्रवार को जल मंदिर के शुभारंभ अवसर पर स्कूल प्रभारी अंजू शुक्ला, सचिन राठौर, जयप्रकाश सोलिया, निलेश जोशी, विशाल पडियार, सारिका भावसार, विद्या सोनी, आंचल शुक्ला सहित विद्यालय के समस्त शिक्षक/शिक्षिकाएं उपस्थित थे।

ईरान की बारिश का शहर में दिखा असर, लुढ़का पारा

गर्मी की तपन से मिली राहत, नगर में भी हुई बूंदाबांदी

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ शाजापुर, धूप की तेजी से झुलस रहे शहरवासियों के लिए शुक्रवार का दिन राहत भरा रहा और इस दिन शहर में इरान और पाकिस्तान में हुई बारिश का कुछ असर नगर में भी देखने को मिला जहां हल्की बूंदाबांदी व ठंडी हवाओं के कारण 40 डिग्री तापमान कुछ कम हुआ। वहीं शुक्रवार देर शाम को भी मौसम विभाग ने हल्की बारिश की संभावना जताई है। इसके पूर्व पिछले तीन दिनों से तापमान 40 डिग्री तक आकर टिका हुआ था। तो ठंडी हवाएं भी गायब हो चुकी थी। जिसके कारण लोगों को सुबह से शाम तक गर्मी का प्रकोप झेलना पड़ रहा था। मौसम विभाग द्वारा भी तापमान में लगातार वृद्धि होने की संभावना जताई गई थी। लेकिन इरान और पाकिस्तान में हुई भारी बारिश का असर शहर के मौसम में भी देखने को मिला और पश्चिमी विक्षोभ के चलते मौसम में बदलाव हुआ और अलसुबह आधे शहर में तेज बारिश तो आधे शहर में बूंदाबांदी हुई। इसके बाद आसमान पर बादलों की आवाजाही से मौसम सुहावना बना रहा जिसने लोगों को गर्मी से राहत प्रदान की। मौसम विशेषज्ञ सत्येंद्र धनोतिया ने बताया कि मौसम में बदलाव का दौर अब कुछ दिनों तक जारी रह सकता है। वही शुक्रवार रात को फिर हल्की बूंदाबांदी होने की संभावना है। मौसम विशेषज्ञ धनोतिया के अनुसार आगामी 25 या 26 अप्रैल को भी शहर में हल्की बारिश की संभावना है। 40 से कम हुआ तापमान, छाए रहे बादल शहर में भले ही बारिश ज्यादा न हुई हो लेकिन मौसम बदलने से तापमान में जरूर गिरावट हुई। पिछले तीन दिनों से तापमान 40 डिग्री पर आकर टिका हुआ था, जो शुक्रवार को 39.6 और न्यूनतम तापमान 23.7 डिग्री दर्ज किया गया।

दो बाईकों की भिड़ंत में चार लोग घायल

फूलखेड़ी हनुमान मंदिर के सामने हुआ हादसा, घायलों का उपचार जारी

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ शाजापुर, एबी रोड स्थित फूलखेड़ी हनुमान मंदिर के सामने शुक्रवार दोपहर को दो बाईको की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। इस हादसे में चार लोग घायल हो गए, जिन्हें ऑटो रिक्शा की मदद से जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया हैं, जहां सभी का उपचार किया जा रहा है। जानकारी के अनुसार ग्राम छापेड़ा जिला राजगढ़ से सांपखेड़ा शादी समारोह में शामिल होने के लिए मोटरसाइकिल पर सवार होकर सुगन बाई राठौर अपने बेटे मांगीलाल राठौर और एक बच्चे के साथ आ रहे थे। इसी दौरान तराना से सारंगपुर की ओर शुभम नायक अपने एक दोस्त के साथ जा रहा था। जब दोनो वाहन सवार फूलखेड़ी हनुमान मंदिर के सामने पहुंचे तो दोनो की आमने-सामने की भिड़ंत हो गई। इस हादसे में बाईक सवार चारो लोग घायल हो गए। वहीं दोनो बाईक भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। इधर घायलों को आसपास के लोगों ने संभाला और उपचार के लिए ऑटो के माध्यम से जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं दोनो मोटर साइकिलों को कोतवाली थाना परिसर में खड़ा किया गया है। पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है।

आचार्य श्री समयसागर जी महाराज ने कहा

कर्म का आश्रव निरंतर होता रहता है, आश्रव को रोकना आसान नहीं

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, सुप्रसिद्ध सिद्ध क्षेत्र कुंडलपुर में युगश्रेष्ठ आचार्य भगवन संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य पूज्य आचार्य श्री समयसागर जी महाराज ने मंगल प्रवचन देते हुए कहा प्रति समय परिणाम बंध होते हैं आत्मा में जीव के परिणाम निश्चित रूप से पूर्ववत कर्म के उदय को लेकर के और कर्मफल के कारण जो सामग्री है विशेष सामग्री उनके निमित्त को लेकर नए सिरे से परिणाम उत्पन्न होते हैं और कर्म का आश्रव निरंतर होता रहता है। उस आश्रव को रोकना आसान नहीं है ।एक बात यह है आगम के अनुरूप हम सोचते हैं ऐसे संसार में अनंतानंत जीव है बिना पुरुषार्थ के उत्पन्न होते रहते है इसलिए गुरुदेव ने स्वाध्याय के दौरान तत्व चर्चा के दौरान बात रखी है और बहुत यह निरंतर इस विषय को ध्यान में रखते हुए हमें चलना चाहिए जीव का जो विकास होता है वह बुद्धि पूर्वक ही होता है और अबुद्धिपूर्वक भी जीव का विकास होता है और अंतर मुहूर्त में ऑटोमेटिक परिणाम में परिवर्तन होता रहता है । जिसको लेश्या भी कहते हैं और अंतर मुहूर्त परिवर्तनीय वह लेश्या होती है जिसके साथ संबंध रखने वाली योग की जो प्रवर्तनीय हैउसका नाम लेश्या ऐसा आगम में उल्लेख मिलता ।इसलिए नहीं चाहते हुए भी यह परिणाम होंगे और निगोद पर्याय में जिस जीव का वास है जहां पर एक श्वास में 18 बार जन्म और मरण हो रहा है और निरंतर अनंत का संवेदन कर रहा है और यह कर्म फल चेतना की बात आती है ।वह कर्म नहीं कर सकता अर्थात बुद्धि पूर्वक उसकी कोई चेष्टा नहीं होती किंतु पूर्व में बंधा हुआ कर्म है वह उदय में आता तो उसका फल भोगना अनिवार्य सिद्ध होता है ।वह फल निश्चित रूप से भोगेगा और प्रतिकार के भाव हो सकते हैं किंतु प्रतिकार वह चेष्टा के माध्यम से नहीं करता जैसा समझने के लिए एक वृक्ष खड़ा है भिन्न-भिन्न ऋतुओं में जो भी वातावरण निर्मित होता है उस बीच में वह खड़ा है वह दौड़ नहीं सकता ।देखा आपने वृक्ष दौड़ रहा हो यह बात अलग है रेल में बैठे तो लगता वृक्ष भाग रहे हैं किंतु वह अलग परिणति है वह वृक्ष भाग नहीं रहा दौड़ नहीं रहा एक कृषक है उसके हाथ में कुल्हाड़ी है वृक्ष काटने के उद्देश्य को लेकर उसके पास पहुंचा है कुल्हाड़ी का वह प्रहार कर रहा है और प्रत्येक प्रहार का उस वृक्ष को संवेदन हो रहा है। अनंत दुख का संवेदन वह कर रहा है आपको उसका कोई संवेदन दिखाई नहीं देता उसकी जो वेदना है आपकी दृष्टि में नहीं आ सकती समझने के लिए चींटी हैउस पर पैर पड़ जाता तो छटपटाहट होती। इसी प्रकार कोई भी एक्टिविटी उसे वृक्ष को देखने नहीं मिलती इसके उपरांत भी कर्म का फल वह भोग रहा है निरंतर भोगते हुए भी एक वस्तु का परिणमन है नहीं चाहते हुए भी परिणाम में अंतर आता है। कभी तीव्र कभी मंद इस प्रकार वह परिणाम की परिणति चलती रहती है ।उसमें मान लो उसके परिणाम मंदता को लेकर हैं उसे समय ऐसे योग ऑटोमेटिक हो जाता है वहां से निकलकर मनुष्य पर्याय को प्राप्त हो जाता है। मनुष्य पर्याय को प्राप्त उसने कर लिया है इसलिए अतीत के कोई संस्कार होंगे इसलिए प्राप्त कर लिया ऐसा नहीं कहना चाहिए। जहां पर काम करते तो करते हैं सर्वत्र संभव नहीं है ।अनादि काल से उसने निगोद पर्याय में ही उसका परिणमन चल रहा है ऐसी स्थिति में उसके विकास के लिए कौन सा प्रसंग बना जिसके माध्यम से वह ऊपर उठा है ।923 जीव ऐसा है आगम में आया पढ़ने जिसका जन्म कहां पर हुआ है निगोद से निकली है अभी तक अतीत काल में त्रस पर्याय को प्राप्त नहीं किया है बाहर वह पर्याय को प्राप्त कर रहा है उसमें भी चक्रवर्ती के पुत्र बन रहे हैं इसमें भी दो मत मिलते हैं हमने भी सुना है गुरु मुख से एक मत वह है कि वह सिर्फ चक्रवर्ती के पुत्र न बनके पहले गिजाय बोलते उस पर्याय को धारण कर लेते। 923उत्पन्न होकर चक्रवर्ती के पुत्र बन रहे हैं दूसरा मत यह है चक्रवर्ती के वह पुत्र बन रहे हैं हम और आप पुरुषार्थ कर रहे हैं नाक रगड़ रहे इसके उपरांत भी हमारा विकास नहीं हो पा रहा ।पुरुषार्थ निरंतर करते हुए भी विकास नहीं हो रहा तो उसमें अपना उपादान ही मानना पड़ता है ।923 जीव का कौन उपादान हो मन नहीं है मन के अभाव में असंज्ञी अवस्था में उसका विकास हुआ उसका स्वयं का ऐसा परिणमन है।

जिला मजिस्ट्रेट ने 03 अपराधियों पर की जिला बदर की कार्यवाही

24 घंटे के अंदर दमोह जिले की सीमाओं से बाहर चले जाने के दिए निर्देश

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, जिला मजिस्ट्रेट सुधीर कुमार कोचर ने आपराधिक गतिविधियों पर तत्काल प्रभाव से नियंत्रण करने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक श्रुतकीर्ति सोमवंशी के प्रतिवेदन पर म.प्र. राज्य सुरक्षा अधिनियम के तहत 03 अपराधियों पर जिला बदर की कार्यवाही की है। जिला मजिस्ट्रेट द्वारा जारी आदेशानुसार अनावेदक राजेश सींग लोधी पिता काशीराम सींग लोधी निवासी ग्राम खैजरा खुर्द थाना हटा, अज्जू उर्फ अजित पिता दरवारी अहिरवार निवासी ग्राम बकायन थाना बटियागढ़ एवं हल्ले ऊर्फ रामकिशुन पिता मोहन यादव निवासी थाना बटियागढ़ को दमोह जिले की भौगोलिक सीमाओं से आगामी 03 माह अर्थात 90 दिवस की कालावधि के लिये निष्कासित (जिला बदर) कर दिया है। तथा आदेशित किया है कि अनावेदक आदेश की प्राप्ति से 24 घंटे के अंदर दमोह जिले की सीमाओं से बाहर चले जायें एवं अपने आचरण में सुधार करें।

जिला बदर की अवधि में अनावेदक को केवल उनके विरूद्ध चल रहे न्यायालयीन प्रकरणों में पेशी दिनांक को उपस्थिति हेतु छूट रहेगी, परंतु इसके पूर्व अनावेदक संबंधित थाना प्रभारी को लिखित में सूचना देनी होगी तथा न्यायालय में पेशी होने के तुरंत पश्चात वह इस आदेश का पालन सुनिश्चित करेगा। इस आदेश का उल्लंघन करने पर अनावेदक के विरूद्ध म.प्र. राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 की धारा 14 के तहत कार्यवाही की जायेगी। यह आदेश जिला मजिस्ट्रेट के हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुद्रा से जारी किया गया है।

उप्र के सहारनपुर सीट पर 66.74 फीसद वोट पडे, 2019 में 70, 2014 में 74.82, 2009 में 63.24 फीसद थी वोटिंग

संजीव बालियान, इमरान मसूद, चंद्रशेखर, इकरा हसन और राघव लखनपाल का भाग्य ईवीएम में कैद

सहारनपुर, सहारनपुर लोकसभा सीट पर 66.74 फीसद वोट पडे। जबकि 2019 में 70 फीसद, 2014 में 74.82 फीसद, 2009 में 63.24 फीसद वोट पडे थे। 2014 में भाजपा के राघव लखन पाल चार लाख 72 हजार वोट पाकर सांसद चुने गए थे और इमरान मसूद को चार लाख सात हजार वोट पडे थे।2019 में मतदान प्रतिशत गिरा और भाजपा के राघव लखनपाल शर्मा करीब 23 हजार वोटो से बसपा के हाजी फजर्लुरहमान से हार गए थे। राघव लखनपाल को चार लाख 91 हजार फजर्लुरहमान को पांच लाख 14 हजार वोट मिले थे।18 वीं लोकसभा के पहली चरण के आज वेस्ट यूपी की आठ में से चार सीटों सहारनपुर, कैराना, मुजफ्फरनगर और बिजनौर सीटों पर मतदान शांतिपूर्ण और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। इस बार का चुनाव 2014 और 2019 से इस मायने में भिन्न रहा कि अबकी मतदाताओं पर जातीय असर ज्यादा हावी रहा। जिसने चुनाव का चरित्र ही बदल दिया। मोदी युग का पहला चुनाव हिंदुत्व, दूसरा राष्ट्रवाद और तीसरा जातिवाद का रहा। इससे नतीजे भी पिछले चुनाव की तुलना में भिन्न रह सकते है। सहारनपुर जिले की सहारनपुर लोकसभा सीट और कैराना आंशिक पर शाम छह बजे तक 68.97 फीसद मतदान हुआ। कमिश्नर डा. हृषिकेश भास्कर यशोद, डीआईजी अजय साहनी ने देर शाम बताया कि सहारनपुर मंडल की तीनों सीटों सहारनपुर, मुजफ्फरनगर और कैराना में कही से भी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली है। उन्होंने माना की आज हुआ मतदान इस मायने में अभूतपूर्व रहा कि इतने बडे और संवदेनशील क्षेत्र के बावजूद कही भी छिटपुट घटना भी नहीं हुई। कुछ स्थानों पर मतदान शुरू होने के बाद कुछ ईवीएम मशीनों में खराबी पाई गई जिन्हें तत्काल बदल दिया गया। कही से भी फर्जी मतदान या बूथ कब्जाने की घटनाएं भी सामने नहीं आई।

जिलाधिकारी सहारनपुर डा. दिनेश चंद्र सिंह ने दोनो लोकसभा क्षेत्रों की सातों विधान सभा सीटों के तहत 1303 मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। एसएसपी डा. विपिन ताडा भी उनके साथ थे। डीएम डा. सिंह ने मतदाताओं के उत्साह और शांतिपूर्वक मतदान करने पर उन्हें बधाई दी। सभी राजनीतिक दलों द्वारा मिले सहयोग का आभार जताया। सहारनपुर भाजपा उम्मीदवार राघव लखन पाल शर्मा, इंडिया गठबंधन के कांग्रेस उम्मीदवार इमरान मसूद, बसपा के माजिद अली, कैराना सीट से इकरा हसन और वीआईपी सीट मुजफ्फरनगर से केंद्रीय राज्यमंत्री डा. संजीव बालियान और बिजनौर से रालोद युवा इकाई के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंदन चैहान और नगीना सुरक्षित सीट से प्रमुख दलित नेता चंद्रशेखर का भाग्य इलैक्ट्रानिक वोटिंग मशीन ईवीएम में बंद हो गया है। इन चारो सीटों में से कैराना और मुजफ्फरनगर सीट पर मौजूदा सांसद चुनाव मैदान में थे। सहारनपुर सीट पर मुकाबला इंडिया गठबंधन के कांग्रेस उम्मीदवार इमरान मसूद और भाजपा उम्मीदवार राघव लखन पाल में ही सिमट गया। बसपा के हाथी की सुस्त चाल ने सबको चैंका दिया। दोनो प्रमुख दलों के नेताओं ने मुकाबला कांटे का बताया। इमरान मसूद ने अपनी जीत का दावा किया। भाजपा जिलाध्यक्ष डा. महेंद्र सैनी ने देर से प्रतिक्रिया देने को कहा। इन पंक्तियों के लेखक ने मुस्लिम बहुल देवबंद क्षेत्र के मतदान केंद्र के निरीक्षणों के दौरान बूथों पर शाम छह बजे तक लंबी लाइने लगी देखी। औरों के मुकाबले आज गर्मी कम थी। लेकिन मतदाताओं में ज्यादा गर्मजोशी थी। जिले में राजपूत मतदाताओं में भाजपा को लेकर जो नाराजगी का माहौल था उस पर भाजपा के चुनाव प्रबंधकों का कहना था कि काफी हद तक राजपूतों ने भाजपा के पक्ष में मतदान करते दिखे। कैराना लोकसभा सीट पर भाजपा के मौजूदा सांसद प्रदीप चैधरी का इंडिया गठबंधन की सपा उम्मीदवार और कैराना के बडे सियासी घराने की 27 वर्षीय बिटिया इकरा हसन के बीच सीधा मुकाबला देखने को मिला।

एस.एस.टी. और एफ.एस.टी. के द्वितीय एवं तृतीय पारी के अधिकारियों की समीक्षा बैठक संपन्न

चेकपोस्ट पर सभी वाहनों की कड़ाई से चैकिंग करने के दिए निर्देश

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, लोकसभा निर्वाचन 2024 के अंतर्गत मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत एवं एस.एस.टी., एफ.एस.टी. नोडल अधिकारी अर्पित वर्मा के द्वारा जिले की एस.एस.टी. और एफ.एस.टी. के द्वितीय एवं तृतीय पारी के अधिकारियों की समीक्षा बैठक जिला पंचायत के सभाकक्ष में ली गई। बैठक में सीईओ जिला पंचायत अर्पित वर्मा ने सभी एस.एस.टी. के अधिकारियों को जिले के सभी चेकपोस्ट पर सभी वाहनों की कड़ाई से चैकिंग करने के निर्देश दिए एवं एफ.एस.टी. अधिकारियों को निर्देश दिए कि क्षेत्र में लगातार भ्रमण करते रहें और जहां भी आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन हो रहा है वहां नियमानुसार कार्रवाई की जाए। बैठक में सीईओ जिला पंचायत ने निर्देशित करते हुए कहा कि चैकिंग के दौरान अवैध राशि, अवैध शराब आदि पाए जाने पर तत्काल जप्ती की कार्यवाही की जाए।

डीईओ एवं एसएसपी निरंतर कर रहे है भ्रमण मतदाता अपने मत का प्रयोग अवश्य करे

पोलिंग पार्टियों के लिए बन रहे भोजन की गुणवत्ता को जानाः डीईओ

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर, जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ0 विपिन ताडा लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने हेतु निरंतर मतदान केंद्रों का भ्रमण कर रहे है। डॉ0 दिनेश चन्द्र ने जेवी जैन एवं इस्लामिया कॉलेज सहारनपुर, डी0सी0जैन इण्टर कॉलेज सरसावा, नकुड विधान सभा क्षेत्र के सौराना गांव ,रामपुर ग्राम पंचायत सचिवालय सलेमपुर गदा सहित अन्य मतदान केन्द्रों का भ्रमण करते हुए कहा कि मतदान केन्द्रों पर दिव्यांग, बुजुर्ग और महिला मतदाताओं के लिए विशेष सुविधा की गयी है। बुजुर्गों को सम्मान व सुविधा के साथ मतदान करने की व्यवस्था की गयी है। पर्दानसीन महिलाओं के लिए महिला मतदान कार्मिक नियुक्त किये गये है। उन्होंने जनपदवासियों को राष्ट के कल्याण एवं लोकतंत्र के सुदृढीकरण के लिए अपने मत का शत-प्रतिशत प्रयोग करने का आवाहन किया। जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतदान केन्द्रों पर मतदान कार्मिकों के लिए बन रहे भोजन की गुणवत्ता को भी जाना। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महाजन ज्वाईंट मजिस्ट्रेट उत्सव आनंद उपस्थित रहे।

विदेशों में कमजोरी से इंदौर में सोया और पाम तेल की कीमतों में गिरावट

इंदौर। मलेशिया पाम तेल वायदा बाजार में शुक्रवार को सप्ताह की सबसे तेज गिरावट देखी गई। मध्य-पूर्व में बढ़ते तनाव और पाम तेल की मांग की कमी की वजह से गिरावट रही। डालियान में भी सोया तेल अनुबंध में गिरावट आई। विदेशी बाजार में कमजोरी के कारण भारतीय बाजारों में भी सोया तेल की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई। सोया तेल इंदौर घटकर 950-950 और पाम तेल 10 रुपये घटकर 1005 रुपये प्रति दस किलो रह गया। हालांकि खुदरा बाजारों में सोया तेल की डिमांड अच्छी बनी हुई है। इंदौर मंडी में सोयाबीन 4700, सरसों निमाड़ी बारीक 5700-5750, एवरेज सरसों 5300-5500, राइडा 4600-4700 रुपये प्रति क्विंटल के भाव रहे। इस बीच देश से खली का निर्यात रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। वर्ष 2023-24 के दौरान खली निर्यात में करीब 13 फीसद इजाफा हुआ। सोया खली का निर्यात दोगुना बढ़कर सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गया है। इस वजह से ही खली के कुल निर्यात में इजाफा हुआ है। लूज तेल के दाम - (प्रति दस किलो के भाव) तेल इंदौर 1500-1520, मुंबई मूंगफली तेल 1510, इंदौर सोयाबीन तेल रिफाइंड 950-955, इंदौर सोयाबीन साल्वेंट 905-910, इंदौर पाम 1005, मुंबई सोया रिफाइंड 950, मुंबई पाम तेल 942, राजकोट तेलिया 2360, गुजरात लूज 1450, कपास्या तेल इंदौर 935-940 रुपये। सोयाबीन प्लांट खरीदी भाव - अवी एग्रो उज्जैन 4700, बंसल मंडदीप 4725, बैतूल आइल सतना 4840, बैतूल 4825, कोरोनेशन ब्यावरा 4715, धानुका सोया नीमच 4820, धीरेंद्र सोया नीमच 4820, दिव्य ज्योति 4750, हरिओम रिफाइनरी 4765, केएन एग्री इटारसी 4750, आइडिया लक्ष्मी देवास 4775, खंडवा 4725, मित्तल सोया देवास 4775, एमएस सालेक्स नीमच 4800, नीमच प्रोटीन 4825, पतंजलि फूड 4720, प्रकाश 4735, प्रेस्टीज 4775, रामा 4700, आरएच साल्वेक्स सिवनी 4875, सांवरिया इटारसी 4820, महेश रिफाइनरी शिप्रा 4700, सोनिका बायोकेम मंडीदीप 4750, स्नेहिल सोया देवास 4745, सूर्या फूड मंदसौर 4800, अंबिका कालापीपल 4725, विप्पी सोया देवास 4730 रुपये प्रति क्विंटल। कपास्या खली - (60 किलो भरती) इंदौर 1850, देवास 1850, उज्जैन 1850, खंडवा 1825, बुरहानपुर 1825, अकोला 2875 रुपये।

इजरायल के हमले से सोना और चांदी के दाम फिर बढ़े, देखें इंदौर-उज्जैन और रतलाम के भाव

इंदौर। ईरान पर इजरायली के जवाबी हमलों की रिपोर्ट के बाद एक बार फिर सोने-चांदी की मांग बढ़ने के बाद इनकी कीमतों में तेजी देखने को मिली है। हालांकि जैसी तेजी भारतीय बाजारों में आना चाहिए वैसी नहीं देखी गई। इसका प्रमुख कारण कामेक्स पर सोना वायदा ऊपर में 2417 डालर के हाई पर पहुंचने के बाद शाम को कुछ कमजोर बताया जा रहा है। इसके चलते इंदौर मार्केट में सोना कैडबरी मात्र 150 रुपये सुधरकर 75500 रुपये प्रति दस ग्राम बोला गया। इधर, कामेक्स पर चांदी वायदा में भी 32 सेंट उछलकर 28.93 डालर प्रति औंस पर कारोबार हुआ। इसके चलते इंदौर में चांदी चौरसा 200 रुपये सुधरकर 83600 रुपये प्रति किलो बोली गई।ईरानी समाचार एजेंसियों सहित कई मीडिया रिपोर्ट ईरान, सीरिया और इराक के कई हिस्सों में विस्फोट की बात कह रही हैं। कई अमेरिकी समाचार आउटलेटों ने अमेरिकी अधिकारियों को यह कहते हुए रिपोर्ट किया है कि इजरायल ने पिछले हफ्ते ईरान पर हुए हमले पर जवाबी हमला किया था। मध्य पूर्व में बिगड़ते संघर्ष की आशंकाओं ने सोने में व्यापक सुरक्षित निवेश को बढ़ावा दिया, जिससे लंबी अवधि के लिए अमेरिकी ब्याज दरों पर हालिया चेतावनियों के बावजूद सोने को बढ़ने में मदद मिली।आभूषणों की मांग में कमी आई है, लेकिन चीनी निवेशक ऊंची कीमतों को अनुकूल मानते हैं, जैसा कि वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल (डब्ल्यूजीसी) में चीन के शोध प्रमुख रे जिया ने बताया है। बार और सिक्कों की बिक्री मजबूत रही, जो ऊंची कीमतों के बीच निवेशकों की निरंतर रुचि का संकेत देती है। तिमाही के संदर्भ में, सोने की थोक मांग मजबूत रही, क्यूवन के दौरान शंघाई गोल्ड एक्सचेंज (एसजीई) से 522 टन सोने की निकासी हुई, जो 2019 के बाद से पहली तिमाही में साल-दर-साल 57 टन की वृद्धि है। कामेक्स सोना ऊपर में 2417 तथा नीचे में 2373 डालर प्रति औंस और चांदी ऊपर में 28.93 व नीचे में 28.07 डालर प्रति औंस पर कारोबार करती देखी गई।

इंदौर में सोना-चांदी के बंद भाव सोना कैडबरी रवा नकद में 75500 रुपये, सोना (आरटीजीएस) 75500 रुपये तथा सोना (91.60 कैरेट) (आरटीजीएस) 69200 रुपये प्रति दस ग्राम बोला गया। गुरुवार को सोना 75350 रुपये पर बंद हुआ था। वहीं, चांदी चौरसा 83600 रुपये, चांदी चौरसा (आरटीजीएस) 84800 रुपये तथा चांदी टंच 83600 रुपये प्रति किलो बोली गई। गुरुवार को चांदी चौरसा (नकद) 83400 रुपये पर बंद हुई थी।

उज्जैन सराफा बाजार में सोना-चांदी के दाम सोना स्टैंडर्ड 75600 रुपये तथा सोना रवा 75500 रुपये प्रति दस ग्राम के भाव रहे। वहीं, चांदी पाट 83600 रुपये तथा चांदी टंच 83500 रुपये प्रति किलो बोली गई। सिक्का 800 प्रति नग रहा।

रतलाम सराफा बाजार में सोना-चांदी के दाम सोना स्टैंडर्ड 75600 रुपये तथा सोना रवा 75550 रुपये प्रति दस ग्राम के भाव रहे। वहीं, चांदी चौरसा 84000 रुपये तथा चांदी टंच 84100 रुपये प्रति किलो बोली गई।

कालीमिर्च का आयात घटने से स्टाकिस्ट सक्रिय, इंदौर में बढ़े भाव

इंदौर। इस साल देश में कालीमिर्च का उत्पादन 70-72 हजार टन होने का अनुमान है। यह पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 10 लाख टन अधिक है। अधिक पैदावार के कारण ही मार्च में इसके दाम काफी नीचे पहुंच गए थे, लेकिन अप्रैल के दूसरे सप्ताह से इसकी मांग धीरे-धीरे बढ़ने के कारण कीमतें फिर से तेजी की ओर अग्रसर है। इसका प्रमुख कारण है कि पिछले कुछ समय से विदेशों से कालीमिर्च के आयात में काफी कमी होना है। इसके चलते कालीमिर्च में स्टाकिस्टों की सक्रियता धीरे-धीरे बढ़ने के साथ ही उत्पादक केंद्रों पर कालीमिर्च की आवक काफी घट गई है। इसके चलते कुछ व्यापारी भाव बढ़ाकर बोलने लगे है, जिसका असर इंदौर मार्केट पर भी देखने को मिल रही है।

इंदौर में कालीमिर्च के दाम बढ़कर गारबल 565 से 575, एटम 585 से 590, मटरदाना 625 से 635 रुपये प्रति किलो पर पहुंच गए। धारणा है कि अगर आगामी दिनों में भी आयात कम रहता है तो कालीमिर्च की कीमतों में और तेजी आ सकती हैं। इधर, नारियल में लोकल के साथ ही बाहरी ग्राहकी कुछ कमजोर होने के साथ ही उत्पादक केंद्रों से रोजाना एक-दो गाड़ी की आवक होने के करण कीमतें कुछ घटाकर बोली जा रही है। इधर, व्यापारी आवश्यकता अनुसार ही नारियल की खरीदी कर रहे हैं। गर्मी अधिक होने के कारण नारियल का पानी सूख जाने से जल्दी खराब हो रहा है। दूसरी और वैवाहिक सीजन की वजह से खोपरा बूरे में ग्रामीण क्षेत्रों की मांग सबसे अधिक बनी हुई है, जबकि खोपरा बूरे की आवक मांग के अनुरूप नहीं होने के कारण कीमतों में एकतरफा सुधार की स्थिति बनी हुई है। दूसरी और खोपरा गोले में नाफेड की खरीदी चलने के साथ ही खोपरा तेल कंपनियों की डिमांड भरपूर रहने से खोपरा गोले के दाम भी टूट नहीं पा रहे हैं। इधर, शकर की आवक धीरे-धीरे घटने लगी है क्योंकि मिलों में भी इस महीने का शकर कोटा ज्यादा मात्रा में नहीं बचा है, जबकि अभी भी 11 दिन शेष है। ऐसे में शकर की कीमतों में मंदी की स्थिति नजर नहीं आ रही है। शकर नीचे में 3970 तथा ऊपर में 4000 रुपये प्रति क्विंटल तक बोली गई। शकर और गुड़ के दाम - शकर 3970-4000, गुड़ करेली कटोरा 3700-3800, लड्डू 3900-4000, गिलास एक किलो 4600-4800, भैली 3500-3600 रुपये प्रति क्विंटल। नारियल - नारियल 20 भरती 1800-1850, 160 भरती 2000-2100, 200 भरती 2200-2300, 250 भरती 2300-2400 प्रति बोरी और खोपरा गोला बक्सा 120-135, कट्टे 110-111 रुपये प्रति किलो और खोपरा बूरा 2550-4700, नारियल-बूरा अल्पाहार (1 किलो) 2751 प्रति 15 किलो। फलाहारी - साबूदाना सच्चासाबू एगमार्क (500 ग्राम) 7640, सच्चासाबू खीरदाना 7510, सच्चासाबू चीनीदाना 7840, सच्चासाबू फूलदाना 8200, साबूदाना चक्र एगमार्क 7320, शिवज्योति (1 किलो) 7240, गोपाल लूज (25 किलो) 6820, कुकरीजाकी मोरधन (500 ग्राम) 9790 प्रति क्विंटल। रायल रतन सच्चामोती (1 किलो) 7250, रायलरतन सच्चामोती (500 ग्राम) 7310 व लूज 6750, रायलरतन सच्चामोती पोहा एक किलो 5350 व 35 किलो पैकिंग में 4700, रायलरतन मोरधन (आधा किलो) 10500 रुपये। पूजन सामग्री - केसर 190-210 ब्रांडेड 220-223, देशी कपूर 550 से 750, ब्रांडेड कपूर 750 से 800, पूजा बादाम 110 से 125, बेस्ट 175 से 190, पूजा सुपारी 475, अरीठा 130, सिंदूर (25 किलो) 7400 रुपये। मसालों के दाम - हल्दी निजामाबाद 180 से 210, हल्दी लालगाय 275-280 कालीमिर्च गारबल 565 से 575 एटम 585 से 590, मटरदाना 625 से 635, जीरा ऊंझा 280 से 290, मीडियम 195 से 315 बेस्ट 315-340 सौंफ मोटी 95 से 125, मीडियम 175 से 225, बेस्ट 355 से 375, बारीक 350-400 , लौंग मीडियम 850 से 900, बेस्ट 950-965 सौंठ 295 से 325 बेस्ट 375 से 400, दालचीनी 245-255, जायफल 580-650, बेस्ट 700 जावत्री 1900-1950, बड़ी इलायची 1375-1425, मीडियम 1475-1575 और बेस्ट 1625-1675, पत्थरफूल 351 से 375, बेस्ट 475, बाद्यान फूल 550 से 575, बेस्ट 750-775 शाहजीरा खर 350 से 360, ग्रीन 600-611, तेजपान 91-101, नागकेसर 750 से 775, धोली मूसली 2100 से 2250, सिंघाड़ा छोटा 90-105 बड़ा 115 हींग वनदेवी दाना751- 3450, पाउच में 10 ग्राम 3530, 121- 50 ग्राम 3250, पाउच में 10 ग्राम 3330, 111-50 ग्राम 3050, पाउच में 10 ग्राम 3130, पावडर 875-925 , हरी इलायची 1850-1900 मीडियम बोल्ड 2050 से 2100 बोल्ड 2250-2350 बेस्ट ए बोल्ड 2400-2650 और सफेद तिल्ली 178-195 बेस्ट 200-220 रुपये। सूखे मेवों के दाम - काजू डब्ल्यू 240 नंबर 760-800, काजू डब्ल्यू 320 नंबर 680 से 700, काजू डब्ल्यू 300 नंबर 670-680, काजू जेएच 590-600 टुकड़ी 530-550, बादाम 540-560 बेस्ट 630-660 आस्ट्रेलियन बादाम बेस्ट 625-750 खसखस 800-900 मीडियम 950-1000 बेस्ट 1100-1200, तरबूज मगज 610-640 खारक 115-135 मीडियम 145 से 175 बेस्ट 225 से 250 ए. बेस्ट 301 किशमिश कंधारी 420 से 470, बेस्ट 550-650, इंडियन 140 से 150 बेस्ट 170 से 190 , चारोली 1485 से 1550, बेस्ट 1600

विदेशों में कमजोरी से इंदौर में सोया और पाम तेल की कीमतों में गिरावट

इंदौर। मलेशिया पाम तेल वायदा बाजार में शुक्रवार को सप्ताह की सबसे तेज गिरावट देखी गई। मध्य-पूर्व में बढ़ते तनाव और पाम तेल की मांग की कमी की वजह से गिरावट रही। डालियान में भी सोया तेल अनुबंध में गिरावट आई। विदेशी बाजार में कमजोरी के कारण भारतीय बाजारों में भी सोया तेल की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई। सोया तेल इंदौर घटकर 950-950 और पाम तेल 10 रुपये घटकर 1005 रुपये प्रति दस किलो रह गया। हालांकि खुदरा बाजारों में सोया तेल की डिमांड अच्छी बनी हुई है। इंदौर मंडी में सोयाबीन 4700, सरसों निमाड़ी बारीक 5700-5750, एवरेज सरसों 5300-5500, राइडा 4600-4700 रुपये प्रति क्विंटल के भाव रहे। इस बीच देश से खली का निर्यात रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। वर्ष 2023-24 के दौरान खली निर्यात में करीब 13 फीसद इजाफा हुआ। सोया खली का निर्यात दोगुना बढ़कर सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गया है। इस वजह से ही खली के कुल निर्यात में इजाफा हुआ है। लूज तेल के दाम - (प्रति दस किलो के भाव) तेल इंदौर 1500-1520, मुंबई मूंगफली तेल 1510, इंदौर सोयाबीन तेल रिफाइंड 950-955, इंदौर सोयाबीन साल्वेंट 905-910, इंदौर पाम 1005, मुंबई सोया रिफाइंड 950, मुंबई पाम तेल 942, राजकोट तेलिया 2360, गुजरात लूज 1450, कपास्या तेल इंदौर 935-940 रुपये। सोयाबीन प्लांट खरीदी भाव - अवी एग्रो उज्जैन 4700, बंसल मंडदीप 4725, बैतूल आइल सतना 4840, बैतूल 4825, कोरोनेशन ब्यावरा 4715, धानुका सोया नीमच 4820, धीरेंद्र सोया नीमच 4820, दिव्य ज्योति 4750, हरिओम रिफाइनरी 4765, केएन एग्री इटारसी 4750, आइडिया लक्ष्मी देवास 4775, खंडवा 4725, मित्तल सोया देवास 4775, एमएस सालेक्स नीमच 4800, नीमच प्रोटीन 4825, पतंजलि फूड 4720, प्रकाश 4735, प्रेस्टीज 4775, रामा 4700, आरएच साल्वेक्स सिवनी 4875, सांवरिया इटारसी 4820, महेश रिफाइनरी शिप्रा 4700, सोनिका बायोकेम मंडीदीप 4750, स्नेहिल सोया देवास 4745, सूर्या फूड मंदसौर 4800, अंबिका कालापीपल 4725, विप्पी सोया देवास 4730 रुपये प्रति क्विंटल।

खेल

पहलवान दीपक पूनिया और सुजीत की उम्मीदों को लगा झटका, क्वालीफायर्स में नहीं हो सके शामिल

टोक्यो ओलंपिक में पदक से चूकने वाले पहलवान दीपक पूनिया की पेरिस ओलंपिक की उम्मीदों को तगड़ा झटका लगा है। दीपक और सुजीत कलकल को एशियन ओलंपिक क्वालीफायर्स में शामिल होने की मंजूरी नहीं मिली है। यह दोनों पहलवान मंगलवार से दुबई एयरपोर्ट पर फंसे हुए थे और शुक्रवार को बिश्केक पहुंचे थे। जब तक यह दोनों भारतीय पहलवान वहां पहुंचे, उस समय तक अन्य पहलवानों के वजन की जांच शुरू हो चुकी थी जिसके बाद आयोजकों ने दीपक और सुजीत को मंजूरी देने से इनकार कर दिया।

दीपक और सुजीत के पास क्वालीफाई करने का एक और मौका एशियन ओलंपिक क्वालीफायर्स में खेलने की मंजूरी नहीं मिलने पर दीपक और सुजीत ने आयोजकों को अपनी परेशानी बताई, लेकिन वे नहीं माने। दीपक और सुजीत के पास अगले महीने वर्ल्ड क्वालीफायर्स के दौरान पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने का एक और मौका रहेगा। भारत का क्वालीफिकेशन अभियान पुरुष फ्रीस्टाइल बाउट के साथ शुरू होगा। दीपक पूनिया की अनुपस्थिति में 57 किग्रा वर्ग में युवा पहलवान अमन शेहरावत पुरुष टीम की अगुआई करेंगे।

फर्श पर सोने को हुए थे मजबूर, खाने को भी तरसे दीपक और सुजीत भारी बारिश के कारण दुबई एयरपोर्ट पर फंस गए थे। देश में अब तक हुई सबसे भारी बारिश के कारण प्रमुख राजमार्गों और सड़कों पर पानी भर जाने और दुनिया के सबसे व्यस्त हवाई अड्डों में से एक के अस्त-व्यस्त हो जाने के कारण दोनों दुबई हवाई अड्डे पर फंसे रह गए थे। रूसी कोच कमल मलिकोव और फिजियो शुभम गुप्ता के साथ इन दोनों को फर्श पर सोने के लिए मजबूर होना पड़ा था और बारिश से उत्पन्न संकट के कारण उन्हें उचित भोजन भी नहीं मिल पा रहा था। मामला सामने आने के बाद भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के अधिकारियों ने इस पर संज्ञान लेते हुए दुबई के अधिकारियों से चर्चा की थी जिसके बाद यह दोनों पहलवान उड़ान भर सके थे। हालांकि देरी होने के कारण यह दोनों भारतीय पहलवान समय से बिश्केक नहीं पहुंच पाए थे।

भारतीय फीस्टाइल पहलवानों का निराशाजनक प्रदर्शन, पेरिस ओलंपिक का टिकट पक्का करने से चूके

अमन सहरावत एशियाई ओलंपिक क्वालीफायर में शुक्रवार को अपना सेमीफाइनल हारने के बाद पेरिस खेलों के लिए कोटा हासिल करने से चूक गए, जबकि दीपक पूनिया और सुजीत कलकल को वजन करने के लिए समय पर नहीं पहुंच पाने के कारण टूर्नामेंट में हिस्सा लेने का मौका नहीं मिला।

लय बरकरार रखने में विफल रहे अमन अमन ने 57 किग्रा वर्ग में दबदबे वाला आगाज करते हुए अपने शुरुआती दो प्रतिद्वंद्वियों येरासिल मुख्तारुली और सुंगवॉन किम को तकनीकी श्रेष्ठता से हराया। वह हालांकि उज्बेकिस्तान के गुलोमजोन अब्दुल्लेव के खिलाफ इस लय को जारी रखने में विफल रहे और 10 अंकों से पिछड़ने के बाद हार गए। भारतीय कुश्ती जगत को अमन से काफी उम्मीदें थी क्योंकि उन्होंने अपने आयु वर्ग में मजबूत माने जाने वाले रवि दाहिया को शिकस्त देकर देश के प्रतिनिधित्व का मौका हासिल किया था।

अन्य पहलवान भी प्रभाव छोड़ने में रहे विफल अमन के अलावा जयदीप ने भी 74 किग्रा वर्ग में शानदार शुरुआत की और तुर्कमेनिस्तान के अल अर्सलान बेगेनजोव को हराया। वह क्वार्टर फाइनल में किर्गिस्तान के ओरोजोबेक तोक्तोमाम्बेतोवबाद के खिलाफ मुकाबला 2-2 से बराबर होने के बाद हार गए। सुमित मलिक (125 किग्रा) भी अपने पहले दौर में किर्गिस्तान के लखागवागेरेल मुनख्तूर से तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर हार गए, जबकि दीपक (97 किग्रा) क्वालीफिकेशन दौर में अराश योशिदा से तकनीकी श्रेष्ठता से हार गए।

दीपक और सुजीत को नहीं मिली खेलने की अनुमति दीपक और सुजीत कलकल को एशियन ओलंपिक क्वालीफायर्स में शामिल होने की मंजूरी नहीं मिली। यह दोनों पहलवान मंगलवार से दुबई एयरपोर्ट पर फंसे हुए थे और शुक्रवार को बिश्केक पहुंचे थे। जब तक यह दोनों भारतीय पहलवान वहां पहुंचे, उस समय तक अन्य पहलवानों के वजन की जांच शुरू हो चुकी थी जिसके बाद आयोजकों ने दीपक और सुजीत को मंजूरी देने से इनकार कर दिया। सूत्रों ने कहा कि भारतीय कोचों के अनुरोध के बावजूद आयोजकों ने उन्हें अनुमति नहीं दी। पूनिया (86 किग्रा) टोक्यो ओलंपिक में पदक जीतने के करीब पहुंचे थे। महिलाओं की स्पर्धा शनिवार को होगी जिसमें सबसे ज्यादा नजरें विनेश फोगाट (50 किग्रा) पर होंगी। एशियाई ओलंपिक क्वालीफायर के बाद पहलवानों को मई में तुर्की में होने वाले विश्व ओलंपिक क्वालीफायर से एक और मौका मिलेगा।

भारत को लंबी कूद में बड़ा झटका, घुटने की चोट के कारण श्रीशंकर ओलंपिक से बाहर, सर्जरी होगी

लंबी कूद के दिग्गज खिलाड़ी मुरली श्रीशंकर ट्रेनिंग के दौरान घुटने की चोट के कारण पेरिस ओलंपिक से बाहर हो गए हैं और उन्हें सर्जरी करानी पड़ेगी जिसके कारण वह पूरे 2024 सत्र में नहीं खेल पाएंगे। एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों के रजत पदक विजेता श्रीशंकर ने 2023 एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 8.37 मीटर के प्रयास से रजत पदक जीतते हुए पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाई किया था।इस 25 वर्षीय खिलाड़ी को शंघाई/सुझोउ और दोहा में क्रमशः 27 अप्रैल और 10 मई को लगातार दो डायमंड लीग प्रतियोगिता के साथ अपने सत्र की शुरुआत करनी थी, लेकिन मंगलवार को ट्रेनिंग के दौरान उन्हें चोट लगी और उनका ओलंपिक में हिस्सा लेने का सपना टूट गया।

पिता भी रहे हैं एथलीट *श्रीशंकर के पिता एस. मुरली ही उनके कोच हैं। श्रीशंकर का कहना है कि उनके शरीर को उनके पिता उनसे बेहतर समझते हैं। श्रीशंकर के पिता पूर्व ट्रिपल जंप एथलीट थे और दक्षिण एशियाई खेलों में रजत पदक विजेता रहे हैं। 1992 एशियाई जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में उनकी मां के.एस. बिजिमोल 800 मीटर रेस में रजत पदक जीती थीं। श्रीशंकर के पिता मुरली एक समय पर शराब के शौकीन थे, लेकिन बेटे के खेल पर ध्यान देने के लिए उन्होंने इससे दूरी बना ली। टोक्यो ओलंपिक में श्रीशंकर के फेल होने के बाद मुरली ने ही अपने बेटे को संभाला था। उस समय श्रीशंकर काफी दबाव में थे और डिप्रेशन में भी चले गए थे। वह खेल छोड़कर अपनी पढ़ाई पर ध्यान देना चाहते थे। ऐसे में उनके पिता ने उन्हें संभाला और श्रीशंकर भारत के शीर्ष लॉन्ग जंपर बन गए। उन्होंने 2022 बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में भारत को रजत पदक दिलाया था।*

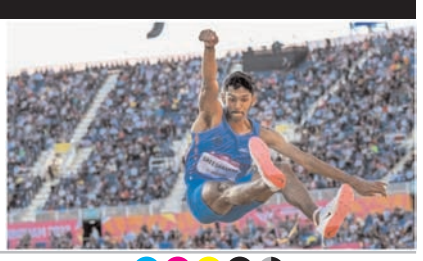

इजराइली PM नेतन्याहू को अपने खिलाफ अरेस्ट वारंट जारी होने का डर, ब्रिटेन-जर्मनी से मदद मांगी

इंटरनेशनल डेस्क- इजराइल को हमास के खिलाफ युद्ध के बीच डर है कि अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय) प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी कर सकता है। टाइम्स ऑफ इजराइल के अनुसार, गाजा में अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन करने के आरोप में इजराइल के कई राजनेताओं और सैन्य नेताओं के खिलाफ भी गिरफ्तारी वारंट जारी हो सकता है। दरअसल, एक रिपोर्ट के मुताबिक, इजराइल को सूत्रों के हवाले से जानकारी मिली थी कि ढ्ढष्टष्ट आने वाले समय में वारंट जारी करने पर विचार कर रही है। इसके बाद नेतन्याहू के कार्यालय में कई विशेषज्ञों ने इस मुद्दे पर तत्काल मीटिंग की थी। इस मीटिंग के दौरान वारंट को टालने के तरीकों पर चर्चा हुई थी।

अरेस्ट वारंट टालने के लिए किस की मदद लेगा इजराइल

इजराइल के विदेश मंत्रालय के मुताबिक, इस बैठक में विदेश मंत्री काट्ज, जस्टिस मिनिस्टर यारिव लेविन और स्ट्रैटेजिक अफेयर्स मिनिस्टर रॉन डेरमिर शामिल हुए थे। मीटिंग में इस बात पर सहमति बनी थी कि इजराइल अरेस्ट वारंट टालने के लिए ICC और अन्य राष्ट्रों के विदेश

डिप्लोमैटिक अधिकारियों से संपर्क करेगा। इसके अलावा, प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने ब्रिटेन और जर्मनी के विदेश मंत्रियों से इस मामले में मदद मांगी थी। टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक नेतन्याहू के मंत्रियों को डर है कि गाजा में मानवीय संकट को देखते हुए यह वारंट जारी हो सकता है। इससे पहले फरवरी में हमास की कैद से रिहा हुए कुछ इजराइलियों ने ICC में हमास के युद्ध अपराध के खिलाफ शिकायत की थी। उन्होंने हमास पर किडनैपिंग, टॉर्चर और शारीरिक हिंसा का आरोप लगाया था। इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट के चीफ प्रॉसीक्यूटर करीम खान पिछले साल दिसंबर में इजराइल के दौरे पर आए थे। इस दौरान वे उन क्षेत्रों में भी गए थे, जहां हमास ने हमला किया था। दौरे के आखिर में करीम खान ने कहा था कि इजराइल में हमास की क्रूरता के सबूत मौजूद हैं। अब हमास के खिलाफ कार्रवाई शुरू करना है उनका कर्तव्य है।

इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट

1 जुलाई 2002 को इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट यानी ICC की शुरुआत हुई थी। ये संस्था दुनियाभर में होने वाले वॉर क्राइम, नरसंहार और मानवता के खिलाफ अपराधों की जांच करती है। ये संस्था 1998 के रोम समझौते पर तैयार किए गए नियमों के आधार पर कार्रवाई करती है। इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट का मुख्यालय द हेग में है। ब्रिटेन, कनाडा, जापान समेत 123 देश रोम समझौते के तहत इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट के सदस्य हैं। ICC ने यूक्रेन में बच्चों के अपहरण और डिपोर्टेशन के आरोपों के आधार पर रूस के राष्ट्रपति पुतिन के खिलाफ अरेस्ट वारंट जारी किया था।

ICC सभी सदस्य देशों को वारंट भेजता है

इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए सभी सदस्य देशों को वारंट भेजता है। ICC के वारंट के लिए देशों को गिरफ्तारी करने के लिए बाध्य नहीं होना पड़ता। इसकी वजह यह है कि हर संप्रभु देश अपने आंतरिक और विदेशी नीतियों के लिए स्वतंत्र होता है। ICC भी हर देश की संप्रभुता का सम्मान करती है। अपने 20 साल के इतिहास में ICC ने मार्च 2012 में पहला फैसला सुनाया था। ICC ने ये फैसला डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कॉन्गो के उग्रवादी नेता थॉमस लुबांगा के खिलाफ सुनाया था। जंग में बच्चों को भेजे जाने के आरोप में उसके खिलाफ केस चलाया गया था। इस आरोप में उसे 14 साल के लिए जेल की सजा सुनाई गई थी।

पहली बार दूध में मिला बर्ड फ्लू वायरस :WHO

इंटरनेशनल डेस्क: पहली बार दूध में बर्ड फ्लू वायरस की पुष्टि हुई है। WHO ने शुक्रवार को कहा कि ॥5ह्1 बर्ड फ्लू वायरस स्ट्रेन संक्रमित जानवरों के कच्चे दूध में बहुत अधिक मात्रा में पाया गया है, हालांकि यह वायरस दूध में कितने समय तक जीवित रह सकता है। इसको लेकर अभी कोई जानकारी उपलब्ध नहीं है। एवियन इन्फ्लूएंजा पहली बार 1996 में उभरा लेकिन 2020 के बाद से संक्रमित स्तनधारियों की संख्या में वृद्धि के साथ-साथ पक्षियों में इसके प्रकोप की संख्या तेजी से बढ़ी है। इस कारण लाखों मुर्गे-मुर्गियों की मृत्यु हो गई है, साथ ही जंगली पक्षी और भूमि और समुद्री स्तनधारी भी संक्रमित हुए हैं।

पिछले महीने गायों और बकरियों में भी बर्ड फ्लू के लक्षण पाए गए थे। विशेषज्ञों के लिए एक आश्चर्यजनक प्रगति क्योंकि उन्हें इस प्रकार के इन्फ्लूएंजा के प्रति संवेदनशील नहीं माना जाता था। अमेरिकी अधिकारियों ने इस महीने की शुरुआत में कहा था कि टेक्सास में एक डेयरी फार्म पर काम करने वाला एक व्यक्ति मवेशियों के संपर्क में आने के बाद बर्ड फ्लू से उबर रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन में वैश्विक इन्फ्लूएंजा कार्यक्रम के प्रमुख वेनकिंग झांग ने कहा, टेक्सास में मामला गाय द्वारा एवियन इन्फ्लूएंजा से संक्रमित किसी मानव का पहला मामला है।

वेनकिंग झांग ने एक मीडिया को बताया, इन मौजूदा प्रकोपों के दौरान पक्षी से गाय, गाय से गाय और गाय से पक्षी में संचरण भी दर्ज किया गया है, जो बताता है कि वायरस ने संक्रमण के अन्य मार्ग ढूंढ लिए होंगे, जितना हम पहले समझते थे। संयुक्त राज्य अमेरिका में बर्ड फ़्लू के लिए किसी मानव के सकारात्मक परीक्षण का यह केवल दूसरा मामला था, और यह वायरस के झुंडों को बीमार करने के बाद आया था जो स्पष्ट रूप से जंगली पक्षियों के संपर्क में थे। झांग ने कहा, अब हम अमेरिकी राज्यों की बढ़ती संख्या में गायों के कई झुंडों को प्रभावित देख रहे हैं, जो स्तनधारियों में वायरस फैलने का एक और कदम दिखाता है। संक्रमित जानवरों के दूध में भी यह वायरस पाया गया है। उन्होंने कहा कि कच्चे दूध में वायरस की मात्रा बहुत अधिक है, लेकिन विशेषज्ञ अभी भी जांच कर रहे हैं कि दूध में वायरस कितने समय तक जीवित रह सकता है। टेक्सास स्वास्थ्य विभाग ने कहा है कि मवेशियों में संक्रमण वाणिज्यिक दूध आपूर्ति के लिए चिंता का विषय नहीं है, क्योंकि डेयरियों को बीमार गायों के दूध को नष्ट करना पड़ता है। पाश्चुरीकरण भी वायरस को मारता है।

मरियम नवाज ने दिया संकेत, भारत से दोस्ताना संबंध चाहता है पाकिस्तान

इंटरनेशनल डेस्क- पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की मुख्यमंत्री मरियम नवाज ने पड़ोसी देशों से संबंधों के बारे में अपने पिता और पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के बयानों का जिक्र किया है, जिनमें कहा गया था कि पड़ोसियों से न लड़ें, उनके लिए दोस्ती और अपने दिल के के दरवाजे खोलें। मामले से जुड़े जानकार मरियम नवाज के इस बयान को भारत के साथ पाकिस्तान के रिश्ते सुधारने की मंशा के तौर पर देख रहे हैं।

करतारपुर साहिब में श्रद्धालुओं को किया संबोधित

एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक करतारपुर साहिब पहुंचे 3000 भारतीय सिख श्रद्धालुओं के सामने मरियम नवाज ने भारत के साथ रिश्ते सुधारने पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि जब मैं मुख्यमंत्री बनी तो मुझे भारत और वहां के

पंजाब प्रांत से बधाई संदेश मिले। मुझे लगा कि दोनों देशों के बीच कोई सीमा नहीं है। पंजाब के लोग चाहे वे भारत के हों या पाकिस्तान के, इन लोगों ने ये देखा कि पंजाब की एक बेटी मुख्यमंत्री बनी है। उर्दू और पंजाबी में दिए गए अपने दस मिनट के भाषण में उन्होंने भारत और पाकिस्तान के लोगों के बीच एक जुड़ाव होने की बात कही है। खासकर उन्होंने दोनों देशों के पंजाब प्रांतों के आपसी रिश्तों का जिक्र किया। मरियम नवाज ने करतारपुर साहिब के आसपास के इलाके के विकास पर जोर दिया और दुनिया भर के सिखों से इसमें निवेश की अपील की है।

बैतूल में हुआ बड़ा हादसा, बस पलटने से पुलिस और होम गार्ड के 21 जवान घायल

नेशनल डेस्क- मध्य प्रदेश के बैतूल जिले में शनिवार तड़के एक बस के पलट जाने से उसमें सवार पुलिस और होम गार्ड के 21 जवान घायल हो गए। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि ये जवान चुनावी ड्यूटी करने के बाद राज्य में अपने गृह जिले राजगढ़ लौट रहे थे, तभी भोपाल-बैतूल राजमार्ग पर बरेठा घाट के पास उनकी बस पलट गई। पुलिस अनुविभागीय अधिकारी (एसडीओपी) शालिनी परस्ते ने बताया कि यह दुर्घटना तड़के

करीब चार बजे हुई। उन्होंने कहा, ''बस में कुल 40 जवान सवार थे जिनमें से पांच पुलिसकर्मी और बाकी होम गार्ड के जवान थे। ये जवान छिंदवाड़ा में चुनावी ड्यूटी करने के बाद राजगढ़ जा रहे थे, लेकिन रास्ते में बस पलट गई।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि गंभीर रूप से घायल आठ कर्मियों का इलाज बैतूल के जिला अस्पताल में किया जा रहा है और मामूली रूप से घायल कर्मियों का उपचार शाहपुर अस्पताल में किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि रास्ते में आए एक ट्रक से टकराने से बचने के क्रम में बस पलट गई। छिंदवाड़ा लोकसभा सीट के लिए शुक्रवार को मतदान हुआ था।

अमेरिका के ग्रीनबेल्ट स्थित पार्क में गोलीबारी, हाईस्कूल के 5 छात्र घायल

इंटरनेशनल डेस्क: अमेरिका से एक दिलदहलाने वाली खबर सामने आई है। यहां ग्रीनबेल्ट, मैरीलैंड के एक पार्क में इकट्ठा हुई स्कूली बच्चों की भीड़ के बीच फायरिंग हो गई। इस शूटिंग से 16 से 18 की उम्र के पांच किशोर घायल हो गए। पार्क में हाई स्कूल के सैकड़ों छात्र मौजूद थे। पुलिस ने कहा कि मैरीलैंड (ग्रीनबेल्ट) के एक पार्क में शुक्रवार (19 अप्रैल) को स्कूल छोड़ने के दौरान सैकड़ों हाई स्कूल के छात्र इकट्ठे हुए थे। इसी दौरान पार्क में गोलीबारी हुई,

जिसमें 16 से 18 वर्ष की आयु के पांच किशोर घायल हो गए।

ग्रीनबेल्ट पुलिस प्रमुख रिचर्ड बोवर्स ने एक मीडिया से बातचीत में बताया कि एक पीड़ित की हालत गंभीर है और अन्य की हालत स्थिर है। सभी पांच पीड़ितों को स्थानीय अस्पतालों में ले जाया गया है। बोवर्स ने कहा कि पुलिस एक संदिग्ध की तलाश कर रही है लेकिन इसमें अन्य भी शामिल हो सकते हैं।

भारत ने फिलीपींस को भेजी ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल की पहली खेप, चीन को मिला कड़ा संदेश

नई दिल्ली: भारत ने शुक्रवार को फिलीपीन को ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलों की पहली खेप की आपूर्ति की। दक्षिण चीन सागर में चीन द्वारा दिखाई जा रही सैन्य आक्रामकता के मद्देनजर यह आपूर्ति दोनों देशों के बीच बढ़ते सैन्य संबंधों को दर्शाते हैं। दक्षिण पूर्व एशियाई देश फिलीपीन के साथ इस हथियार प्रणाली की आपूर्ति के लिए 37.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर का करार होने के दो साल के बाद आपूर्ति की गई है। आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि भारतीय वायुसेना (आईएएफ) के सी-17 ग्लोबमास्टर परिवहन विमान ने फिलीपीन की नौसेना के लिए मिसाइल और लॉन्चरों को द्वीपीय देश तक पहुंचाया। भारत ने जनवरी 2022 में मिसाइल की तीन बैटरी की आपूर्ति के लिए फिलीपीन के साथ करार किया था। वह पहला देश है, जिसे भारत ने अत्याधुनिक ब्रह्मोस मिसाइल की आपूर्ति की है। अर्जेंटीना सहित कुछ अन्य देशों ने भी भारत से ब्रह्मोस मिसाइल खरीदने में रुचि

दिखाई है। ब्रह्मोस एयरोस्पेस प्राइवेट लिमिटेड भारत-रूस का संयुक्त उपक्रम है, जो इन सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलों का उत्पादन करता है। ब्रह्मोस मिसाइलों को पनडुब्बियों, जहाजों, विमानों आदि से दागा जा सकता है। ब्रह्मोस मिसाइल 2.8 मैक यानी ध्वनि की गति से लगभग तीन गुना अधिक गति से लक्ष्य तक पहुंचती है।

पहले शादी का झांसा देकर युवती से सिपाही ने किया दुष्कर्म, अब कर रहा शादी से इनकार....पीड़िता ने दर्ज कराया मामला

बलिया जिले के बैरिया थाना क्षेत्र में एक युवती को शादी का झांसा देकर उसके साथ बलात्कार करने के आरोप में पुलिस ने वाराणसी में तैनात एक सिपाही (आरक्षी) के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस ने यह जानकारी दी। बैरिया थाने के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) धर्मवीर सिंह ने शुक्रवार को दर्ज प्राथमिकी के हवाले से बताया कि युवती ने आरोप लगाया कि दीपक शाह ने शादी का झांसा देकर 2018 से कई बार उसके साथ बलात्कार किया लेकिन अब उसके साथ शादी करने से इनकार कर रहा है। दीपक रेवती थाना क्षेत्र के रेवती कस्बे का निवासी है। उन्होंने बताया कि युवती की तहरीर पर दीपक के विरुद्ध भारतीय दण्ड संहिता की धारा 376 (दुष्?कर्म) के तहत मुकदमा दर्ज कर मामले की छानबीन शुरू कर दी गई है। उन्?होंने बताया कि दीपक वाराणसी में आरक्षी के पद पर कार्यरत है।

ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार दो युवकों की मौत, एक घायल

बलिया जिले के नरही थाना क्षेत्र के एक गांव के पास शुक्रवार को ट्रक की चपेट में आने से मोटरसाइकिल सवार 2 युवकों की मौत हो गई तथा एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार नरही थाना क्षेत्र के उजियार गांव के सामने शुक्रवार को अपरान्ह तीन युवक मोटरसाइकिल से मंगला भवानी मंदिर पर दर्शन करने जा रहे थे, तभी एक वाहन को ओवरटेक करते समय उनकी मोटरसाइकिल सामने से आ रहे ट्रक की चपेट में आ गई। नरही के थाना प्रभारी पन्ने लाल ने बताया कि इस हादसे में राहुल तिवारी (26) और गौरव उपाध्याय (32) की मौत हो गयी तथा निखिल (20) गंभीर रूप से घायल हो गया।

भागलपुर में लालू परिवार पर जमकर बरसे नीतीश कहा- पति-पत्नी के शासन में बिहार था बदहाल

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार को भागलपुर जिले के रंगरा प्रखंड के तिनटंगा में आयोजित चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस (ष्टश्ठ्ठद्दह्लद्गह्यह्य) और लालू परिवार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि वर्ष 2005 से पूर्व 15 वर्ष तक पति-पत्नी ने मिलकर राज किया था। उन लोगों के कार्यकाल में शाम होते ही लोग घर में कैद हो जाते थे।

%हमलोगों ने बिहार के विकास के लिए किया काम

सीएम ने कहा कि उस समय कहीं रोड नहीं था। न सड़क थी और ना ही शिक्षा और ना स्वास्थ्य व्यवस्था की हालत सही थी। उन्होंने कहा कि

हमलोगों ने बिहार के विकास के लिए काम किया है। कुछ लोग पत्नी, बेटा, बेटी को आगे बढ़ा रहे हैं। नीतीश कुमार ने कहा कि वे लोग गड़बड़ कर रहे थे, इसलिए उन लोगों को हटा दिया। नीतीश कुमार ने कहा कि सबसे पहले शिक्षा के क्षेत्र में हमने कार्य किया। छात्राओं को पोशाक तथा स्कूल जाने के लिए साइकिल दिया गया। उसके बाद सड़कों का निर्माण किया। महिलाओं को स्नातक पास करने पर सरकार की ओर से 50 हजार रुपए दिए जाते हैं। पंचायत चुनाव एवं नगर निकाय चुनाव में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण दिया। शिक्षक व पुलिस की नौकरी में भी आरक्षण दिया गया।

नीतीश ने 1989 के दंगे का जिक्र करके कांग्रेस को घेरा

नीतीश कुमार ने अपने संबोधन में भागलपुर दंगे का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि भागलपुर का दंगा आप सभी को याद होगा। 1989 में दंगा हुआ था। उसमें अल्पसंख्यकों की क्या हालत हुई थी? दंगा की जांच करवाकर दोषियों को सजा दिलवाई गई। प्रत्येक पीड़ित परिवार को पांच हजार रुपए महीना दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मदरसों को सरकारी किया गया। कब्रिस्तान की घेराबंदी भी की। सीएम ने कहा कि अब एक लाख कब्रिस्तान की और घेराबंदी की जाएगी। साथ ही 60 वर्ष पुराने मंदिर का जीर्णोद्धार भी किया जाएगा। बता दें कि नीतीश कुमार जदयू के निवर्तमान सांसद अजय मंडल के पक्ष में चुनाव प्रचार करने के लिए भागलपुर आए थे। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस प्रत्याशी अजीत शर्मा को वोट ना देकर जदयू के अजय मंडल को वोट देने की अपील की।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569